सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 236 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 09 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

2-3 दिनों में होगी मानसून की एंट्रीः 5 दिन गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, जिसे लेकर मौसम विभाग का कहना है कि 11 जून से आंधी-बारिश की गतिविधियों में और तेजी आएगी। इसी के साथ अगले 2 से 3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन सोमवार शाम रायपुर और दुर्ग जिले के कई इलाकों में जमकर बादल बरसे।

भारत ने पहली बार एक साथ तैनात कर दिए 12 परमाणु बम

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है।

शहीद जंजाल प्रवीण को कीर्ति चक्र, राष्ट्रपति ने लगाया गले

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में जब शहीद सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जा रहा था, तब गर्व और गम का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने वहां मौजूद सभी की आंखें नम कर दी। बेटे की वीरता पर गर्व से भरी मां जैसे ही सम्मान ग्रहण करने पहुंचीं, तो अपने कलेजे के टुकड़े को याद कर उनके आंसू दर्द बनकर छलक पड़े। इस भावुक पल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आगे बढ़कर प्रोटोकॉल की सीमाएं तोड़ते हुए शहीद की मां को गले लगा लिया। भारतीय सेना के सिपाही जंजल प्रवीण प्रभाकर को उनकी असाधारण बहादुरी, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान देते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराने के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

जोजिला टनल के दोनों छोर जुड़े, लद्दाख तक ऑलवेदर रोड, 2028 तक पूरा हो जाएगा काम

एजेंसियां

नई दिल्ली। जोजिला सुरंग में अंतिम ब्लास्ट के साथ निर्माण कार्य में बड़ा मील का पत्थर हासिल हुआ और दोनों छोर आपस में जुड़ गए। यह उपलब्धि कश्मीर-लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लद्दाख के मिनीमार्ग में जोजिला टनल के ईस्ट पोर्टल के पास रिमोट बटन दबाकर ब्रेकथ्रू स्थल पर ब्लास्ट किया। ब्लास्ट के जरिए सुरंग के दोनों छोरों के बीच बची 2.5 मीटर की दूरी को जोड़ दिया गया। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।

यह टनल 13.15 किमी लंबी है, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को सालभर सड़क मार्ग से जोड़ेगी। करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही इस टनल की लागत लगभग 6,500 करोड़ रुपए

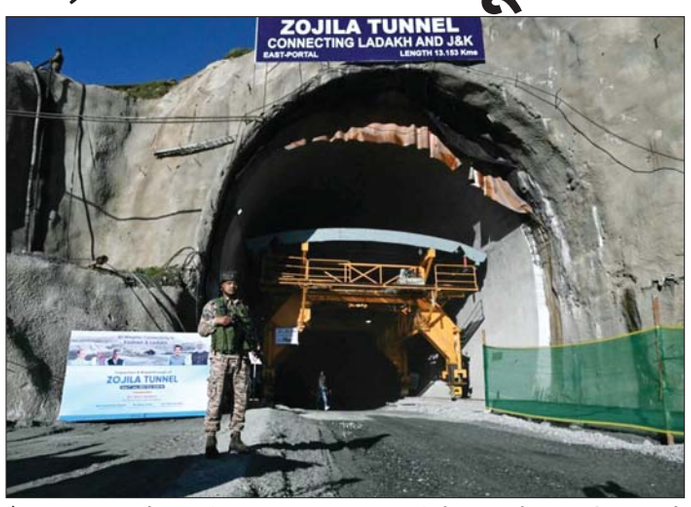

है। टनल का 50 से 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब सिविल कार्य पूरा होने में 7-8 महीने लगेंगे। टनल को फरवरी 2028 तक आम लोगों के लिए खोलने की संभावना है।

अथॉरिटी इंजीनियर यूसुफ ने बताया, मैं ईरान से हूं। मुझे इस पर गर्व है। हम खुश हैं कि वर्तमान प्रणाली के तहत हम इस परियोजना को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने में सफल रहे हैं। सुरंग को पूरी तरह से खुलने में लगभग ढाई साल और लगेंगे। हालांकि, आपात स्थिति में विशेष रूप से यदि सेना को इसका उपयोग करने की आवश्यकता हो तो सुरंग का थोड़े समय के लिए उपयोग करना संभव हो सकता है।

सामरिक उद्देश्य के साथ पर्यटन और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम

ब्रेकथ्रू समारोह से पहले भू-तकनीकी विशेषज्ञ जनक सिंह राठौड़ ने कहा, यह दुनिया की सबसे ऊंची और एशिया की सबसे लंबी सुरंग है जो पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे रक्षा उद्देश्यों के लिए साल भर आवाजाही सुनिश्चित होगी। यह पर्यटन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। पहले पर्यटक श्रीनगर में फंस जाते थे और लद्दाख नहीं पहुंच पाते थे। अब वे विंटर स्पोर्ट्स सहित इस पूरे क्षेत्र तक पहुंच सकते हैं। यह पर्यटन और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम है।

यह सुरंग 13.153 किलोमीटर लंबी, 9.5 मीटर चौड़ी और 7.57 मीटर ऊंची है तथा लगभग 11,578 फीट की ऊंचाई पर बनाई जा रही है। यह श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है और बालटाल (गांदरबल) को मिनीमार्ग (द्रास) से जोड़ती है।

भारत भाग्य विधाता की प्री-स्क्रीनिंग में शामिल हुए मुख्यमंत्री

26/11 के हमले में सेवा, साहस और समर्पण की कहानी है यह फिल्म : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या एवं परिजनों के साथ राजधानी के जोरा मॉल में 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म की प्री-लॉन्च स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इस अवसर पर अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत, फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया सहित कई कलाकार, जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो उन अनसुने और अनदेखे नायकों को सम्मान देती है, जिनके असाधारण योगदान को अक्सर पर्याप्त पहचान नहीं मिल पाती। स्क्रीनिंग में कंगना रनौत और उनकी टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग की बहनों की उपस्थिति इस फिल्म की भावना को और अधिक सार्थक बनाती है।

श्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया छत्तीसगढ़ की माटी के पुत्र हैं। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई, जिसमें अनेक लोगों की जान गई। उस कठिन समय में नर्सों, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना सैकड़ों लोगों की जान बचाई और घायलों की सेवा की।

रविशंकर यूनिवर्सिटी ने 46% बढ़ाई परीक्षा फीस, वेरिफिकेशन के 5 हजार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में परीक्षा और दूसरे शैक्षणिक शुल्क बढ़ाने के फैसले पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने नाराजगी जताई है।

अभाविप के मुताबिक, सेमेस्टर एग्जाम और वार्षिक परीक्षा की फीस में 500 रुपए की वृद्धि कर दी गई है।

परिषद ने इस बात पर भी आपत्ति जताई है कि यूनिवर्सिटी ने मार्कशीट और सिलेबस वेरिफिकेशन फीस 5000 तय कर दी है।

विद्यार्थी परिषद का कहना है कि नौकरी, एडमिशन या दूसरे शैक्षणिक कामों के लिए दस्तावेजों का वेरिफिकेशन कराने वाले छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए इतनी बड़ी रकम देना आसान नहीं होगा।

परिषद ने चेतावनी दी है कि यह बढ़ोत्तरी वापस नहीं ली जाती है तो अभाविप मजबूर होकर आंदोलन करने को बाध्य हो जाएगी।

खान सर की गिरफ्तारी पर सिविल कोर्ट ने लगाई रोक

पटना। फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने बनाई 'इश्क करो पार्टी'

नई दिल्ली (ए.)। अपने बेबाक और विवादित बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने 'इश्क करो पार्टी' नाम से एक नए संगठन का एलान करते हुए युवाओं को इससे जुड़ने का न्योता दिया है।

काटजू ने 'मेक लव नॉट वॉर' यानी 'प्यार करो, लड़ाई नहीं' के नारे को आधार बनाकर अपनी नई पार्टी का एलान किया है। पूर्व जस्टिस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह पार्टी देश में चल रही नफरत, टकराव और ध्रुवीकरण की राजनीति के पूरी तरह खिलाफ है। इसका प्राथमिक उद्देश्य समाज में प्यार, भाईचारा और इंसानी रिश्तों को बढ़ावा देना है। उन्होंने खुद को इस पार्टी का संरक्षक घोषित किया है।

पेट्रोल-डीजल चोर और ग्राहक दोनों गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

ईसीए की धारा 3 और 7 तथा बीएनएस की धारा 287 के तहत मामला दर्ज

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में चोरी के पेट्रोल-डीजल की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने सोनडोंगरी इलाके में छापा मारकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने करीब 35.45 लाख रुपए मूल्य का डीजल, पेट्रोल, टैंकर, 1.3 लाख नगद. उपकरण और 31.94 लाख के तेल सहित टैंकर जब्त किए हैं।

रेड के दौरान बाउंड्री से घिरे खाली प्लॉट में चार लोग मौजूद मिले। 8 ड्रम में 1600 लीटर पेट्रोल, 3 ड्रम में 500 लीटर डीजल, मोटर पंप, पाइप, टीन के बर्तन और एक हाफ कटिंग ड्रम बरामद हुआ। वहीं खड़े टैंकर में करीब 12 हजार लीटर डीजल भरा मिला।

आरोपी ओमप्रकाश साव उर्फ कालिया ने बताया कि वह टैंकर चालकों से पेट्रोल-डीजल खरीदकर बेचता था। आरोपी रामजी यादव इंडियन ऑयल डिपो से डीजल भरकर राजनांदगांव ले जाने के दौरान रास्ते में थोड़ा तेल बेच देता था। वहीं धर्मेंद्र साव और उमेश साव भी इस अवैध कारोबार से जुड़े हुए थे।

दो महाद्वीपों के उच्चतम शिखर के बाद अब शेष पांच महाद्वीपों पर टिकी एवरेस्ट विजेता अमिता की नजरें

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर चांपा। 22 मई को एवरेस्ट के शिखर पर तिरंगा फहराकर लौटी पर्वतारोही अमिता श्रीवास कहती हैं कि अभी तो सिर्फ दो महाद्वीपों के शिखर को फतह किया है। अभी पांच और महाद्वीप बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि अमिता ने 2018 में पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू किया था और कुछ ही सालों में उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्पट र फ्तह कर लिया। माउंट एवरेस्ट की चोटी 8848 मीटर की ऊंचाई पर है जो सभी पर्वतारोहियों का सपना होता है।

बता दें कि माउंट एवरेस्ट पर 22 मई को तिरंगा फहराने के बाद वापसी में अमिता श्रीवास की

तबियत बिगड़ गई थी। उन्होंने हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर 24 मई को काठमांडू नेपाल के नॉर्विक इंटरनेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। स्वस्थ होकर अमिता अपने घर लौटी।

अमिता श्रीवास ने साल 2018 में राजस्थान के माउंट आबू स्थित सरकारी संस्थान से रॉक क्लाइंबिंग का कोर्स किया। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पर्वतारोहण के क्षेत्र में भी अन्य क्षेत्रों की तरह लिखित, मौखिक और प्रैक्टिकल परीक्षाएं होती हैं। इन सभी में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद ही प्रमाणपत्र मिलता है।

अमिता ने पश्चिम और उत्तर सिक्किम के पर्वतीय क्षेत्रों में करीब 5500 मीटर की ऊंचाई तक चढ़ाई की है। उन्होंने उत्तराखंड की प्रसिद्ध चोटी यूटी कांगरी को भी फतह किया है। अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो (5895 मी) को फतह किया है। अमिता ने हाल ही में विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को भी फतह कर लिया है। अब उनकी नजर अन्य महाद्वीपों के उच्चतम शिखरों पर तिरंगा फहराने की है।

शादी से पहले सहमति से बने शारीरिक संबंध किसी के चरित्र पर दाग नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंध को किसी भी व्यक्ति के चरित्र पर सवाल उठाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल इसलिए किसी संबंध को गलत नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि वह विवाह तक नहीं पहुंच पाया। अदालत ने कहा कि हर रिश्ता शादी में ही बदले, यह जरूरी नहीं होता और इससे किसी एक पक्ष को धोखेबाज नहीं माना जा सकता। जजों ने कहा कि देश में ऐसा कोई कानून प्रभावशील नहीं है जो दो अविवाहित वयस्कों को सहमति से अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो। यह अपराध नहीं है।

संपादकीय

पहले आम को राहत

विकास की प्राथमिकताओं में बरतें सावधानी

आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष से उपजा भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि, बाधित व्यापार मार्ग से प्रभावित आपूर्ति शृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। ऐसे में देश के लिये प्राथमिकता केवल विकास की गति बनाये रखना ही नहीं होनी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि आम लोगों को महंगाई की मार से बचाने के लिये व्यावहारिक कदम भी उठाये। दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मानसून में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अल-नीनो के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है। जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि इससे नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था में सुधार होना चाहिए, लेकिन वक्त की नजाकत को देखते हुए आम आदमी को महंगाई से राहत देना बेहद जरूरी है। अन्यथा आम लोगों का जीवन-यापन और अधिक कष्टकारी भी हो सकता है। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि सरकार आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं व महंगाई नियंत्रण के प्रयासों के बीच संतुलन साधने का प्रयास करे। लेकिन पिछले दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कई बार की वृद्धि के बाद व्यावसायिक व घरेलू एलपीजी के दामों का बढ़ना, लोगों की चिंता बढ़ाने वाला है। जाहिर बात है कि इस वृद्धि से पहले ही महंगाई से जूझते लोगों का बजट और गड़बड़ा जाएगा।

"दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मानसून में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अल-नीनो के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है।

निस्संदेह, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के बाद कुकिंग गैस के दामों की वृद्धि आम आदमी का बजट बिगाड़ने वाली है। फलतः लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। वहीं आर्थिकी में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने की आशंका है। इस उथल-पुथल भरे वैश्विक परिदृश्य में कुछ कारक देश की अर्थव्यवस्था को संबल देने वाले भी हैं। देश में घरेलू मांग मजबूत है, संरचनात्मक विकास में निवेश जारी है। वहीं तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हमारी ताकत भी है। जिससे हम एक सीमा तक वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हमारे आयात बिलों पर दबाव बढ़ा रही हैं। जिसका प्रभाव रुपये पर भी बढ़ते दबाव के रूप में सामने आया है। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों को लुभाने के लिये केंद्रीय बैंक प्रयासरत है, लेकिन बाजार के पटरी पर आने में कुछ वक्त अवश्य लगेगा। आरबीआई का विश्वास है कि निवेश नियमों में ढील से पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बैंक की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता कायम करना, रुपये को संबल देना और देश की वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखना भी है। बैंक की कोशिश है कि विकास को प्रभावित किए बिना ही आर्थिक स्थिरता लाने का प्रयास हो। निस्संदेह, नीति-नियंताओं के सामने आर्थिक विकास को गति देने के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये दोनों में संतुलन बनाने की जरूरत है। हम विकास और रोजगार को संरक्षण देते हुए महंगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जिसके लिये राजकोषीय विवेक, कमजोर वर्ग के लोगों को संबल तथा संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता हों। तभी आर्थिक विकास और महंगाई में संतुलन बनाने में सफलता मिल सकती है। इसके लिये सरकार को अतिरिक्त कदम उठाने होंगे। वह महसूस करे कि आम आदमी की जेब पर महंगाई दबाव बनाने लगी है। जिससे अर्थव्यवस्था का प्रभावित होना लाजमी है। जिसके चलते केंद्रीय बैंक ने देश की आर्थिक वृद्धि दर में न केवल कमी की है बल्कि खुदरा महंगाई दर में वृद्धि के भी संकेत दिए हैं। विश्वास करें कि सरकार मौजूदा संकट से मुकाबले हेतु विस्तृत व्यावहारिक कदम उठाएगी।

सुरक्षित मातृत्व की राह पर बदलता छत्तीसगढ़

जगत प्रकाश नड्डा

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी सड़कों, भवनों और उद्योगों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होता है जो अपने सबसे संवेदनशील नागरिकों की रक्षा करती है। गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होते हैं। जब एक मां सुरक्षित रहती है तो केवल एक जीवन नहीं बचता, बल्कि एक पूरे परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भारत ने पिछले एक दशक में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस परिवर्तनकारी यात्रा को तय किया है, वह विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में उभरी है। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है, जिसने गर्भवती महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान की सफलता की सबसे प्रभावशाली कहानियों में से एक छत्तीसगढ़ की है, जहां घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं ने नई पहचान बनाई है।

दस वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच की कल्पना भी कठिन थी, वहां आज हर महीने की 9 तारीख मातृ स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सकीय सेवाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह बदलाव केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और जन-भागीदारी के सामूहिक प्रयासों की कहानी है।

नौ तारीख बनी सुरक्षित मातृत्व का प्रतीक

9 जून 2016 को शुरू हुए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की अवधारणा सरल लेकिन प्रभावशाली थी। गर्भावस्था के नौ महीनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रसव पूर्व जांच दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। इस दिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है।

इस पहल ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को नियमितता और पहचान दी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और उनके परिवारों के लिए यह समझना आसान हुआ कि प्रत्येक माह की नौ तारीख स्वास्थ्य जांच के लिए निर्धारित है। परिणामस्वरूप प्रसव पूर्व जांच की पहुंच और स्वीकार्यता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

आज देशभर में करोड़ों महिलाओं ने इस अभियान का लाभ उठाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और जोखिमों की पहचान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ के लिए चुनौती थी भूगोल समाधान बना समुदाय

छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियां देश के अनेक राज्यों से भिन्न हैं। बस्तर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जैसे जिलों के बड़े हिस्से वनाच्छादित हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां बरसात के मौसम में पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। वर्षों तक इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहा।

आदिवासी अंचलों में पारंपरिक मान्यताओं और घरेलू प्रसव की प्रथा भी लंबे समय तक मातृ स्वास्थ्य सुधार की राह में बाधा बनी रही। कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय जांच नहीं कराती थीं। जटिलता होने पर अस्पताल पहुंचने में देर हो जाती थी और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी। यहीं से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने बदलाव की शुरुआत की। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संयुक्त रूप से रणनीति तैयार की कि जोखिम सामने आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले उसकी पहचान की जाए। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, हाट-बाजार क्लीनिक, विशेष स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया गया। आज स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कभी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, जांच और फॉलोअप संभव हो रहा है।

समय रहते जोखिम की पहचान बनी सबसे बड़ी ताकत

मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश गंभीर प्रसूति जटिलताएं अचानक नहीं होतीं। उनके संकेत गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने लगते हैं। यदि समय पर पहचान हो जाए तो अधिकांश जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताएं, कम उम्र या अधिक उम्र में गर्भधारण तथा जुड़वा गर्भ जैसी स्थितियों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है। इन मामलों को चिन्हित करने के बाद उन्हें उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ा जाता है ताकि प्रसव के समय किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो। यही कारण है कि राज्य के दूरस्थ जिलों में भी जटिल प्रसवों के सुरक्षित प्रबंधन की संभावना बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर रेफरल और नियमित निगरानी ने अनेक माताओं और नवजातों का जीवन बचाया है।

डिजिटल ट्रैकिंग ने स्वास्थ्य सेवाओं को दिया नया आयाम

पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति प्रदान की है। पीएमएसएमए पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नाम आधारित ट्रैकिंग संभव हुई है। किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद जानकारी तत्काल ऑनलाइन दर्ज की जाती है। यदि किसी महिला को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा जाता है तो उसकी जानकारी संबंधित चिकित्सकीय इकाइयों तक पहुंच जाती है। इससे स्वास्थ्य तंत्र को पहले से तैयारी करने का अवसर मिलता है। प्रसव की संभावित तिथि, चिकित्सकीय स्थिति और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध रहने से आपातकालीन परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां दूरी और परिवहन लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहे हैं, डिजिटल निगरानी प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाया है।

गांव की पगडंडी से अस्पताल तक, आशा कार्यकर्ताओं का असाधारण योगदान

यदि इस परिवर्तन की असली कहानी लिखी जाए तो उसमें सबसे प्रमुख स्थान अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का होगा। आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं।

आशा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करती हैं, उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहायता करती हैं। कई दूरस्थ गांवों में उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को बदलने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण संबंधी निगरानी करती हैं, जबकि एएनएम टीकाकरण, प्राथमिक जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रारंभिक स्तर पर जोखिमों की पहचान कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से समन्वय स्थापित करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इन कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता के बिना मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की कल्पना संभव नहीं थी।

जब योजनाएं साथ आईं तो बना सुरक्षा का व्यापक कवच

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की सफलता केवल एक योजना की उपलब्धि नहीं है। इसकी प्रभावशीलता विभिन्न स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के समन्वय से बढ़ी है।

जननी सुरक्षा योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देती है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम सरकारी अस्पतालों में प्रसव, दवाइयों, जांचों और परिवहन को निःशुल्क उपलब्ध कराता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोषण संबंधी सहायता प्रदान करती है, जबकि आयुष्मान भारत गंभीर मामलों में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इन सभी योजनाओं ने मिलकर गर्भवती महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षा तंत्र तैयार किया है जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर आर्थिक सहायता और पोषण तक सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

बस्तर की कहानी, जहां अस्पताल अब भरोसे का नाम है

बस्तर संभाग के कई गांवों में आज भी ऐसे परिवार मिल जाते हैं जो कुछ वर्ष पहले तक अस्पताल में प्रसव कराने से हिचकते थे। लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदली हैं। सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में नियमित स्वास्थ्य शिविरों और सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों ने विश्वास का वातावरण बनाया। जिन महिलाओं को पहले अस्पताल जाने में संकोच होता था, वे अब गर्भावस्था की शुरुआत से ही स्वास्थ्य जांच करा रही हैं।

कई मामलों में समय पर जांच के दौरान गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप या भ्रूण की असामान्य स्थिति की पहचान हुई और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सका। ऐसी हजारों कहानियां आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सुनाई देती हैं जहां मातृत्व अब भय नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा से जुड़ा अनुभव बन रहा है।

अगले दशक की दिशा : शून्य रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु का लक्ष्य

मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। दूरस्थ क्षेत्रों तक वर्षभर निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्रसवोत्तर देखभाल को और मजबूत बनाना तथा शहरी गरीब बस्तियों तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी प्राथमिकताएं हैं।

ड्रोन आधारित आपूर्ति प्रणाली, टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और प्रशिक्षित मिडवाइफरी सेवाओं का विस्तार आने वाले वर्षों में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत बना सकता है।

छत्तीसगढ़ ने यह सिद्ध किया है कि कठिन भूगोल और सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नीति, तकनीक और सामुदायिक भागीदारी एक साथ काम करें तो स्वास्थ्य क्षेत्र में असाधारण परिवर्तन संभव है।

आज जब हर महीने की 9 तारीख को राज्य के हजारों स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाएं जांच के लिए पहुंचती हैं, तो यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है। बस्तर के जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक फैलती यह नई स्वास्थ्य चेतना वास्तव में विकसित भारत और सशक्त छत्तीसगढ़ की आधारशिला बन रही है।

लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं

कला को पनपना है तो अमीरों को सहायता और शिक्षितों को प्रोत्साहन देना चाहिए

एन. रघुरामन

आईपीएल पूरा होने की वजह से लंबे समय बाद किसी रविवार की शाम मुझे लगा कि मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं था। परिवार ने एकाएक तय किया कि मुंबई के बांद्रा स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) चलें। वहां हम पारंपरिक भरतनाट्यम नृत्य शो 'इकोज ऑफ तंजावुर- द अनब्रोकन' देखने पहुंचे। 125 सीटों वाले छोटे किन्तु पूरे भर चुके एक्सपेरिमेंटल थिएटर में मेरी नजर एक परिचित चेहरे पर पड़ी।

मेरी तथाकथित इंटेलिजेंस तुरंत सक्रिय हुई, सवाल उठाया कि 'ये यहां कैसे? इनका तो इस कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है।' मैंने अंदाजा लगाया कि उनकी उम्र इस छोटे ऑडिटोरियम की कुल बैठक क्षमता की लगभग आधी होगी। फिर भी, वे पूरी तरह से उस शास्त्रीय नृत्य कला में खोए थे, जो तंजावुर जिले की विरासत है। इसी स्थान से मैं भी आता हूं।

उसी क्षण मेरे दिमाग ने मुझे सोमवार के लेख का विषय दे दिया। दिमाग ने शो खत्म होते ही उनका इंटरव्यू लेने का निर्देश दिया। मेरा योजनाबद्ध और उत्सुकता भरा पहला सवाल यही होने वाला था कि 'आप यहां कैसे?' फिर लगा कि किसी वरिष्ठजन से ऐसा सवाल पूछना कितना मूर्खतापूर्ण होता। वे 73 वर्षीय अनंग देसाई थे, जिन्हें कल्ट-क्लासिक सिटकॉम 'खिचड़ी' में चिड़चिड़े लेकिन सबके चहेते परिवार के मुखिया 'बाबूजी' (तुलसीदास पारेख) के किरदार के लिए जाना जाता है। 100 से अधिक टीवी शो और 70 फिल्मों के करियर वाले देसाई का पालन-पोषण अहमदाबाद में हुआ।

उनके पिता कार्डियोलॉजिस्ट और मां सिंगर व पेंटर थीं। अपनी कला को नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तथा फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में निखारने के कारण उनकी कलात्मक समझ बेहद गहरी है। बात की तो वे मुस्कराए और बोले, 'कला तो कला है। मुझे हर रूप में कला से प्रेम है।'

वे इससे ज्यादा सही नहीं हो सकते थे। जो परफॉर्मेंस हमने देखी, वो तंजावुर क्वार्टेट से उपजी है। प्रिया मुरले, लेखा प्रसाद और स्नेहा महेश विशाल द्वारा प्रस्तुत यह नृत्य कला सर्फोजी-द्वितीय (1777-1832) के राजदरबार में विकसित हुई थी। सर्फोजी-द्वितीय तंजावुर के दूरदर्शी मराठा शासक थे, जिनके दौर में व्यापक सांस्कृतिक, शैक्षणिक और वैज्ञानिक पुनर्जागरण हुआ था। उनका दरबार उत्कृष्ट संगीतकारों, रचनाकारों और उन नट्टुवनारों को एक मंच पर लाया, जो मंजीरे बजा कर लयबद्ध बोलों के जरिए नर्तकों का मार्गदर्शन करते थे। कार्यक्रम की खूबसूरती कई अप्रत्याशित रूपों में सामने आई। प्रिया ने पैरों से नृत्य नहीं किया, बल्कि आंखों की अभिव्यक्ति से पूरी कहानी बताई।

बेहद खूबसूरती से भगवान कृष्ण और कुचेला (सुदामा) की निःस्वार्थ मित्रता और दिव्यता जीवंत की। मैंने उनसे जाकर कहा, 'वाह, आज एहसास हुआ कि कोई सिर्फ आंखों से भी पूरी कहानी कह सकता है।' इसे भरतनाट्यम की भाषा में 'अभिनयम' कहते हैं। वहीं, लेखा और स्नेहा ने भगवान शिव की स्तुति में 'कीर्तनम' प्रस्तुत किया और उनकी जटिल, ब्रह्मांडीय मुद्राओं को अद्भुत सौंदर्य के साथ साकार किया।

उस शाम मुझे एहसास हुआ कि ऐसे हेरिटेज आर्ट फॉर्म्स को मुख्यधारा का ऐसा मंच देना कितना मूल्यवान होता है, जहां वर्ल्ड क्लास थिएटर में वैश्विक मानकों की साउंड, लाइटिंग और मंच सज्जा हो। यह निश्चित ही विचारणीय है। 90 मिनट के कार्यक्रम के बाद मेरा मन दो वर्गों के प्रति कृतज्ञता से भर गया।

पहले, वे समृद्ध लोग जिन्होंने ऐसा ठिकाना बनाया और उभरती प्रतिभाओं के लिए इसे खोला, ताकि संस्कृति फल-फूल सके। दूसरे, वे बुद्धिमान दर्शक जिन्होंने हर सीट भर दी, कला को समझा और सही समय पर तालियां बजाईं। इससे कलाकारों को लगा कि वे ऐसे दर्शकों के सामने प्रस्तुति दे रहे हैं, जो कला की बारीकियों को अच्छे-से समझते हैं। अनंग देसाई इस दूसरे वर्ग का एक शानदार उदाहरण थे।

फंडा यह है कि कला की एक यूनिवर्सल भाषा होती है, जो हर भाषाई सीमा के परे है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारी समृद्ध विरासत को सच में सुरक्षित रखना है तो अमीरों को आर्थिक सहायता देकर ऐसे ठिकाने मुहैया कराने होंगे, जहां संस्कृति फल-फूल सके और शिक्षित लोगों को उसे जिंदा रखने के लिए बौद्धिक सराहना देनी होगी।

गरीबों का सशक्तिकरण : समावेशी परिवर्तन का एक दशक

पिछले बारह वर्षों में, भारत के लगातार सरकारी प्रयासों ने ज़रूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाई है, जिससे वंचित परिवारों में अभाव कम हुआ है। कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के विस्तार से लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। ग्रामीण इलाकों में नल के पानी की सुविधा 2019 के 3.23 करोड़ घरों से बढ़कर मई 2026 तक 15.84 करोड़ घरों तक पहुंच गई है। 12.11 करोड़ से ज़्यादा घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 10.57 करोड़ से ज़्यादा मुफ़्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और घरों के अंदर होने वाला प्रदूषण कम हुआ। आयुष्मान भारत के तहत 43.93 करोड़ हेल्थ कार्ड जारी किए गए, जिससे आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 81 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को मुफ़्त अनाज उपलब्ध कराया, जिससे पूरे देश में गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा मज़बूत हुई। प्राथमिक स्कूलों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 2013-14 के 4.6 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2024-25 में 0.3प्रतिशत रह गई। डिजिटल शासन सुधारों की मदद से आधार-आधारित राशन वितरण संभव हो पाया। आकांक्षी ज़िलों और आदिवासी इलाकों में भी पानी, स्वच्छता और आजीविका से जुड़े विशेष प्रयासों के ज़रिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया गया।

पिछले एक दशक में, भारत ने गरीबी कम करने, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाने के मामले में एक बड़ा बदलाव देखा है। पब्लिक पॉलिसी को समावेश, पहुंच और आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के सिद्धांतों से दिशा मिली है। इससे यह पक्का हुआ है कि आर्थिक विकास का लाभ सभी लोगों तक पहुंचे।

खास बात यह है कि औसत महंगाई दर 2004-2014 के दौरान 8.1 प्रतिशत से घटकर 2014-2025 के दौरान 5.1 प्रतिशत रह गई। इससे कीमतों में ज़्यादा स्थिरता आई और परिवारों की खरीदने की क्षमता में सुधार हुआ। साथ ही, भारत में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई। यह 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी को दिखाता है। इस दौरान लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले। यह प्रगति कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के बड़े पैमाने पर विस्तार के कारण संभव हुई है। मुख्य उपायों में वित्तीय समावेश, सस्ती स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, आवास, आजीविका सहायता और डिजिटल शासन सुधार शामिल हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विस डिलीवरी ने इन प्रयासों को और मज़बूत किया है। कुल मिलाकर, इन पहलों ने ग्रामीण और शहरी भारत के लाखों गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

गरिमा का आधारः मूलभूत जरूरतों तक सार्वभौमिक पहुंच

सरकारी प्रयासों का ध्यान पूरे ग्रामीण और शहरी भारत में नल के पानी की कनेक्टिविटी, स्वच्छता कवरेज, एलपीजी की उपलब्धता और ग्रामीण विद्युतीकरण पर केंद्रित रहा है। ये प्रयास जीवन की बेहतर गुणवत्ता, मानव विकास और बड़े पैमाने पर बुनियादी सेवाओं की डिलीवरी की दिशा में हो रहे एक व्यापक बदलाव को दर्शाते हैं।

जल, स्वच्छता और साफसफाई (डबल्यूएएसएच) तक सार्वभौमिक पहुंच

पिछले एक दशक में, स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित पेयजल और बेहतर स्वच्छता तक पहुंच भारत की कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति का एक मुख्य आधार बनकर उभरी है। बड़े पैमाने पर किए गए उपायों ने जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार किया है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम किया है। इससे मानवीय गरिमा को मज़बूती मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। 2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम), ग्रामीण परिवारों के लिए पीने योग्य पानी तक सार्वभौमिक पहुंच को संस्थागत बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा पहल है। इस मिशन की शुरुआत ग्रामीण महिलाओं पर पानी लाने के लिए हाथ से किए जाने वाले काम के लंबे समय से चले आ रहे बोझ को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। यह कार्यक्रम ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाने में सहायक है। अपनी रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाते हुए, 2020-21 और 2026-27 के बीच वित्तीय आवंटन में लगभग 488 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 67,670 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अनुभव के लिहाज से, इस मिशन ने काफी बड़े पैमाने पर सफलता हासिल की है। अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों तक नल के पानी की पहुंच थी, जो मई 2026 तक बढ़कर 15.84 करोड़ हो गई। यह कुल 19.35 करोड़ घरों में से 81.87 प्रतिशत घरों तक पहुंच को दर्शाता है। इसके अलावा, 'हर घर जल' अभियान के तहत 2.77 लाख गांवों में 100 प्रतिशत घरों तक नल का पानी पहुंचाया गया। इसके अलावा, इस पहल ने आकांक्षी ज़िलों और ब्लॉकों में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से विकास संबंधी असमानताओं को दूर किया है। आकांक्षी ज़िलों में, घरों में नल के पानी की कवरेज अगस्त 2019 में 23.62 लाख से बढ़कर मई 2026 तक 2.20 करोड़ हो गई। इसी तरह, आकांक्षी ब्लॉकों में, मई 2026 तक 1.11 करोड़ घरों को नल के पानी की सुविधा मिल गई थी। यह व्यवस्थित विस्तार सार्वजनिक स्वास्थ्य और ग्रामीण गरिमा को बढ़ाने के प्रति एक मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जल जीवन मिशन के ऑपरेशनल दिशानिर्देशों में हर घर जल फ्रेमवर्क के तहत आने वाले गांवों के लिए प्रमाणीकरण की ज़रूरी शर्तें बताई गई हैं। संस्थागत स्तर पर इस फोकस की वजह से पीने के पानी की उपलब्धता में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। किसी गांव को प्रमाणित तभी किया जाता है, जब वहां के सभी मुख्य सामुदायिक संस्थानों और घरों तक नल के पानी की पूरी तरह से पहुंच सुनिश्चित हो जाए।

इस संदर्भ में, नल के पानी की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या अगस्त 2019 में 29,711 से बढ़कर मई 2026 तक 9.23 लाख हो गई। साथ ही, इसी अवधि के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 15,464 से बढ़कर 9.66 लाख हो गई। इसके अलावा, ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 3.93 लाख संस्थानों तक पहुंच गई, जिसमें ऐसी 77.27 प्रतिशत सुविधाएं शामिल हैं। साफ पीने के पानी तक बेहतर पहुंच से जल-जनित बीमारियों में कमी आई है, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हुई है, और बेहतर शैक्षिक परिणामों को बढ़ावा मिला है, विशेष रूप से बच्चों और किशोरियों के लिए।

2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एक बहुआयामी रणनीति है, जो भौतिक बुनियादी ढांचे और व्यवहारगत बदलाव दोनों पर केंद्रित है। खुले में शौच और हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने के अलावा, यह पहल खराब स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को संस्थागत रूप देने को प्राथमिकता देती है। इस प्रमुख अभियान ने सामाजिक मानदंडों में मौलिक बदलाव लाते हुए, स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे की मांग और उसके उपयोग में भारी वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

एसबीएम-यू फेज 1 (2014-2021) के तहत बजट आवंटन 62,009 करोड़ रुपये से बढ़ाकर एसबीएम-यू फेज 2 (2021-2026) के तहत 1.41 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। यह लगभग 128.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस मिशन के तहत, घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने का काम 2014 के 43 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 98 प्रतिशत हो गया।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के जिला स्तरीय शिविर की तैयारियां पूर्ण

दुर्ग। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत 11 जून 2026 गुरुवार को दुर्ग में जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक नगर पालिक निगम दुर्ग के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित होगा। शिविर में स्ट्रीट वेंडर्स को योजना के तहत ऋण स्वीकृति, क्रेडिट कार्ड वितरण, ऑनलाइन आवेदन, सामाजिक प्रोफाइलिंग तथा विभिन्न शासकीय लाभों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त मोहेंद्र साहू को नोडल अधिकारी तथा बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एक शाम बशीर बद्र के नाम गज़ल संध्या आयोजित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. बशीर बद्र की स्मृति में 06 जून 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' ग़ज़ल संध्या आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेल के भूतपूर्व निदेशक गणतंत्र ओझा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अधिकारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर तथा उप महाप्रबंधक एवं ओलंपियन राजेंद्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में साहित्य एवं संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। ग़ज़ल संध्या का शुभारंभ युवा ग़ज़ल गायक परन राज भाटिया की प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने डॉ. बशीर बद्र की चर्चित ग़ज़लों को अपनी मधुर एवं प्रभावशाली आवाज़ में प्रस्तुत किया।

धम्म प्रशिक्षण शिविर में जाना वंदना का महत्व

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई (पत्र 1119) द्वारा डॉ आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 06 भिलाई मे 08 दिवसीय धम्म प्रशिक्षण शिविर 07 जून रविवार से शुरू हुआ। 14 जून तक जारी इस शिविर की शुरुआत भंते शील रत्न और भिक्षु संघ के सानिध्य में तथागत भगवान बुद्ध और बाबासाहेब डॉ आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ हुई। संस्था के सभी सदस्यों ने भंते शील रत्न का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान भंते शील रत्न ने बुद्ध वंदना, धम्म वंदना, और संघ वंदना के प्रायोगिक पक्ष पर व्याख्यान दिया साथ ही अरिय पंचशील एवं अनुस्मृति के अभ्यास के विषय मे विस्तार से बताया। जिससे

प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मिलेगा 125 दिनों का रोजगार

जिले की ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन, श्रमिकों को दी गई योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में 7 जून को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण करने, मजदूरी भुगतान से संबंधित समस्याओं के निराकरण तथा जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत ग्रामीण परिवार को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति, जीपीएस आधारित निगरानी तथा समयबद्ध मजदूरी भुगतान की व्यवस्था की गई है।

रोजगार दिवस के तहत जिले के विभिन्न कार्यस्थलों पर श्रमिकों के बीच जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत मानिकचौरी में चारागाह निर्माण कार्य एवं वाट निर्माण कार्य स्थल पर 54 श्रमिकों की उपस्थिति में रोजगार दिवस आयोजित किया गया। वहीं ग्राम पंचायत बिरझापुर में जल संचयन तालाब निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों को रोजगार एवं आवास योजनाओं की जानकारी दी गई।

जनपद पंचायत धमधा की ग्राम पंचायत मोहलाई में सरारनाला से प्रहलाद निषाद के खेत तक नाला जीर्णोद्धार कार्य में 196 श्रमिक कार्यरत रहे। ग्राम पंचायत कपसदा में जल संचयन तालाबों के नवीनीकरण कार्य में 231 श्रमिकों की सहभागिता रही। दोनों स्थानों पर आयोजित रोजगार एवं आवास दिवस में श्रमिकों को रोजगार अधिकार, मजदूरी भुगतान और आवास योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत ग्राम पंचायत भरदा में जैन बाड़ी से राइस मिल तक समुदाय के लिए वाटर कोर्स केनाल मरम्मत एवं रखरखाव कार्य में 182 श्रमिक कार्यरत रहे। ग्राम पंचायत करगाडीह में दशरू के खेत से भारतमाला रोड तक वाटर कोर्स रखरखाव एवं मरम्मत कार्य में 152 श्रमिकों ने सहभागिता की। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खम्हरिया में राजपूत बाड़ी के पास समुदाय के लिए वाटर कोर्स रखरखाव एवं मरम्मत कार्य में 250 श्रमिक कार्यरत रहे। इन सभी कार्यस्थलों पर रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन कर श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

इसके अतिरिक्त जिले की अनेक ग्राम पंचायतों में भी रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत ग्राम पंचायत करगाडीह, खम्हरिया, धनोरा, जेवरा, कोलियापुरी, उमरकोटी, चिंगरी एवं चिरकोटी में रोजगार दिवस आयोजित कर श्रमिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी प्रकार जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत मानिकचौरी, फुंडा, चंदखुरी, भांसुली (क), तर्रा, संतरा एवं गब्दी में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। वहीं जनपद पंचायत धमधा की ग्राम पंचायत पथरिया, दनिया, खेरधा, नरधा, बिरेभाट एवं चीचा में भी रोजगार एवं आवास दिवस आयोजित कर ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान रोजगार मांग पंजीयन, समय पर मजदूरी भुगतान, जल संरक्षण कार्यों तथा आवास निर्माण से संबंधित विषयों पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

रोजगार दिवस के दौरान मनरेगा अंतर्गत कार्यरत मजदूरों को मजदूरी भुगतान, रोजगार मांग पंजीयन एवं कार्य आवंटन संबंधी जानकारी प्रदान की गई। श्रमिकों को बताया गया कि निर्धारित समयावधि में मजदूरी भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसका त्वरित निराकरण किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना एवं जनमन योजना के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया गया। योजनाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष बल दिया गया तथा ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, जल संरक्षण, आधारभूत संरचना विकास तथा आजीविका संवर्धन को नई गति मिलेगी और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से दुर्ग जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों के जरिए जिले के 64 हजार 049 से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 3923 निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, जिनसे एक ओर ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हो रही है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद पंचायत दुर्ग में 16 हजार 262, जनपद पंचायत धमधा में 21 हजार 676 तथा जनपद पंचायत पाटन में 26 हजार 049 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

समाज को प्रेरित करेगी माता रमाबाई की कहानी : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में बनी हिंदी फिल्म रमाई की प्रमुख अभिनेत्री प्रेरणा धाबर्डे, प्रमुख अभिनेता डॉ. उदय धाबर्डे तथा फिल्म की संपूर्ण टीम ने राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय कहा कि बहुजन समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। त्याग मूर्ति माता रमाई के बारे में जब बताया गया तो मुख्यमंत्री साय भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि पूरे मंत्रिमंडल के साथ यह फिल्म देखने का प्रयास करेंगे ,साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ भी टीम रमाई की एक भेंट रखेंगे। क्योंकि यह वर्ष छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति वंदन वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और

मातृशक्ति को प्रदर्शित करती छत्तीसगढ़ में निर्मित प्रथम हिंदी मूवी रमाई है।

इस दौरान प्रमुख अभिनेत्री प्रेरणा धाबर्डे ने बताया कि यह फिल्म केवल एक ऐतिहासिक चरित्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति, धैर्य और त्याग का प्रेरक दस्तावेज है। वहीं प्रमुख अभिनेता डॉ. उदय धाबर्डे ने कहा कि फिल्म के निर्माण में ऐतिहासिक तथ्यों, सामाजिक संदर्भों और गहन शोध का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि दर्शकों तक एक प्रामाणिक और प्रेरणादायी कथा पहुंच सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने फिल्म की संकल्पना की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा समाज को दिशा देने का प्रभावी माध्यम है। महान व्यक्तित्वों और प्रेरक जीवन कथाओं पर आधारित फिल्में नई पीढ़ी को इतिहास, संस्कृति और आदर्शों से जोड़ने का कार्य करती हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने सुझाव दिया कि छत्तीसगढ़ के महापुरुषों शहीद वीर नारायण सिंह और गुरु घासीदास पर भी फिल्म बनाएं, जिसमें राज्य सरकार सहयोग करेगी तथा भविष्य में बनने वाली छत्तीसगढ़ शासन की प्रचार फिल्म के लिए अवसर देने का भी आश्वासन दिया।

उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि रमाई समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने में सफल होगी। इस अवसर पर फिल्म से जुड़े कलाकारों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर फिल्म की आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की।

भिलाई वासियों के नेतृत्व में अमेरिका के सेंट लुईस में पहली बार हुआ भव्य कवि सम्मेलन

भिलाई। हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय संस्कृति को समर्पित संस्था हिंदी-यूएसए सेंट लुईस ने वेब्स्टर यूनिवर्सिटी के कम्युनिटी म्यूजिक हॉल एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हिंदी-यूएसए के रजत जयंती (25 वें) वर्ष पर आयोजित इस कवि सम्मेलन में 100 से अधिक हिंदी प्रेमियों ने भाग लिया और हास्य, व्यंग्य, ओज, गीत तथा समसामयिक विषयों पर आधारित कविताओं का भरपूर आनंद लिया। खास बात यह रही कि सेंट लुईस में अपनी तरह का यह पहला हिंदी कवि सम्मेलन था। इसके आयोजन में भिलाई मूल के मयंक जैन एवं उनकी पत्नी डॉ. अंशु जैन ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। आयोजन में सुप्रसिद्ध कवि गजेंद्र सोलंकी एवं भारत सरकार के कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य तथा संस्कार भारती, दिल्ली से जुड़े वरिष्ठ साहित्यकार राजेश चेतन ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन कवियों की अमेरिका यात्रा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद भारत सरकार के सहयोग से आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध चित्रकार, चिंतक एवं समाजसेवी बाबा सत्यनारायण मौर्य ने अपनी अनूठी प्रस्तुति दी।

मंत्री गजेन्द्र यादव का व्यापारियों से संवाद, भाजपा का जनसंपर्क अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत आज दुर्ग शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने शहर के व्यापारिक एवं चिकित्सकीय क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित नागरिकों एवं व्यवसायियों से मुलाकात कर उनसे संवाद किये।

शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्ग बस स्टैंड स्थित मेडिकल कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने दवा व्यवसाय एवं चिकित्सा उपकरणों से जुड़े व्यापारियों से मुलाकात किए। साथ ही कोठारी नर्सिंग होम के चिकित्सकों से भेंट कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यापारिक गतिविधियों से संबंधित विषयों पर चर्चा किये। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों एवं

चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुने तथा शासन की विभिन्न जनहितकारी एवं व्यापार प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी प्रदान किए।

इसके पश्चात भारतीय जनता पार्टी के विशिष्ट जनसंपर्क अभियान के तहत मंत्री गजेन्द्र यादव गंजपारा स्थित जीवन प्लाजा पहुंचे, जहां उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से संवाद किये। वहीं पुलगांव चौक क्षेत्र में कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात कर वर्तमान व्यावसायिक परिस्थितियों, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश एवं क्षेत्र के आर्थिक विकास में व्यापारी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यापारियों के अनुभव, सुझाव एवं सहभागिता समाज और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने व्यापारियों द्वारा रखी गई समस्याओं एवं सुझावों के निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिये।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री महेन्द्र लोढ़ा, पार्षद श्री कुलेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जनसंपर्क अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़कर उनकी अपेक्षाओं, सुझावों एवं समस्याओं को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि व्यापारी, चिकित्सक, चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोग समाज और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। इनके अनुभवों से शासन को जनहितकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है। उन्होंने उपस्थित जनों से क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन, व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार तथा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में सुझाव भी प्राप्त किए। मंत्री यादव ने आश्वस्त किया कि प्राप्त सुझावों एवं मांगों को शासन स्तर पर गंभीरता से रखा जाएगा तथा उनके निराकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र को 'ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल' मान्यता प्राप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएच एंड आरसी), दुर्ग ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 'ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल' की प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त की है। यह मान्यता ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) तथा एसोसिएशन ऑफ हेल्थ प्रोवाइडर्स ऑफइंडिया (एएचपीआई) द्वारा प्रदान की गई है।

यह मान्यता 05 जून 2026 से 04 जून 2029 तक प्रभावी रहेगी तथा अस्पताल द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सफल स्तनपान के दस चरण (टेन स्टेप्स टू सक्सेसफुल ब्रेस्टफीडिंग) तथा भारत सरकार के 'माँ कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रमाणित करती है। इस उपलब्धि के साथ जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय देश के उन चुनिंदा स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल हो गया है, जो माताओं एवं नवजात शिशुओं को स्तनपान आधारित सर्वोत्तम देखभाल उपलब्ध कराने के उच्चतम मानकों का पालन करते हैं।

यह मान्यता जन्म के प्रथम घंटे में स्तनपान की शुरुआत, माँ एवं शिशु के बीच त्वचा से त्वचा संपर्क (स्किन टू स्किन कोन्टैक्ट), रूमिंग-इन व्यवस्था, स्तनपान संबंधी विशेषज्ञ परामर्श तथा माताओं को व्यावसायिक प्रभावों से मुक्त सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराने जैसी व्यवस्थाओं के सफल क्रियान्वयन का प्रमाण है।

यह सम्मान बीपीएनआई के केंद्रीय समन्वयक डॉ. अरुण गुप्ता तथा एएचपीआई के महानिदेशक डॉ. गिरधर ज्ञानी द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रक्रिया में यूनिसेफ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स तथा आईबीफैन (आईबीएफएएन) सहित विभिन्न संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

इस उपलब्धि के पीछे मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनके निर्देशन में अस्पताल में स्तनपान अनुकूल सेवाओं के संस्थागत विकास एवं क्रियान्वयन को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया गया।

बाल रोग विभाग की अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सम्बिता पांडा तथा नवजात शिशु विभाग प्रभारी अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध साहा ने नवजात एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं में स्तनपान संबंधी मानकों के सफल समावेशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं वरिष्ठ सलाहकार एवं बीएफएचआई समन्वयक डॉ. माला चौधरी ने विभिन्न विभागों के समन्वय, प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन प्रक्रियाओं का प्रभावी नेतृत्व करते हुए मान्यता प्राप्ति की पूरी प्रक्रिया का सफल संचालन किया। अस्पताल प्रशासन ने शैला अब्राहम व प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मियों के सहयोग की भी सराहना की, जिनके समन्वित प्रयासों से जन्म के प्रथम घंटे में स्तनपान सुनिश्चित करने तथा मातृ-शिशु देखभाल की समेकित व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जा सका।

'ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल' के रूप में प्राप्त यह मान्यता जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र की साक्ष्य-आधारित नवजात स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु कल्याण तथा जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सफइता भैया और सफइतिन दीदी बनेंगे स्वच्छता के जनदूत

कोरिया। स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में कोरिया जिले ने एक अभिनव पहल की शुरुआत की है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री रामविचार नेताम ने सुशासन तिहार के अवसर पर ग्राम तरगंवा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 'सफ इता भैया' एवं 'सफइतिन दीदी' शुभंकर पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत प्रत्येक परिवार, संस्था और व्यवसायिक प्रतिष्ठान को कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करना होगा। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि गीले, सूखे, सेनेटरी और घरेलू हानिकारक कचरे को अलग-अलग करना अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यक नागरिक कर्तव्य है।

10 वर्षों में 1 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को मिला लाभ

बिलासपुर। गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं नि:शुल्क प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफ्लतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 से प्रारंभ इस महत्वाकांक्षी अभियान ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। बिलासपुर जिले में अब तक 1 लाख 3 हजार 147 गर्भवती महिलाओं को अभियान के तहत नि: शुल्क सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभावशीलता को दर्शाता है। इस अवसर पर 09 जून को जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष पीएमएसएमए दिवस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान, आवश्यक प्रयोगशाला जांच, अल्ट्रासोनोग्राफी, चिकित्सकीय परामर्श तथा मातृ स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

किसान तेजी से अपना रहे वैज्ञानिक खेती, नैनो उर्वरकों से बढ़ रही उत्पादकता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं। कृषि क्षेत्र में नैनो उर्वरकों का बढ़ता उपयोग किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ लागत में कमी का लाभ प्रदान कर रहा है। नैनो उर्वरक फसलों को संतुलित पोषण उपलब्ध कराने के साथ उर्वरक प्रबंधन को अधिक प्रभावी, किफायती और पर्यावरण अनुकूल बना रहे हैं। इन उन्नत तकनीकों के उपयोग से किसानों को कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त हो रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि और कृषि को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। केवल खेती को लाभकारी बना रही है, बल्कि किसानों की समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान कर रही है।

सकारात्मक सोच, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा बैठक में कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजस्व प्रकरणों, ग्रामीण एवं शहरी विकास, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून-व्यवस्था तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविरों और चौपालों के माध्यम से सीधे लोगों से संवाद किया।

उनकी समस्याओं को सुना और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद प्रशासनिक अमले ने आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है और इस प्रतिबद्धता को आगे भी बनाए रखना होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को सकारात्मक सोच, जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की किसी भी योजना का पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास और पीएम सूर्यघर योजना को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले अधिकतम स्वीकृत आवासों का निर्माण पूर्ण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अधिक से अधिक कारीगरों को मेसन प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति भी सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेश में पांच लाख सौर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक परिवारों को इस योजना से जोड़ा जाए तथा योजना से मिलने वाले आर्थिक और ऊर्जा संबंधी लाभों की जानकारी लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी पात्र किसानों को योजना से लाभान्वित करने और एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। धान उपार्जन और धान उठाव की समीक्षा करते हुए समयबद्ध उठाव सुनिश्चित करने तथा स्थानीय स्तर पर राइस मिलों की स्थापना के लिए उद्योग विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक पहल करने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के दौरान संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और जिला अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और स्वामित्व योजना पर जोर

मुख्यमंत्री साय ने दोनों जिलों में लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा नक्शा सुधार से संबंधित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

किसानों को खाद-बीज की कमी न हो

मुख्यमंत्री साय ने खरीफसीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग के संबंध में किसानों को जागरूक किया जाए तथा इसके लाभों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाए।

महिला सशक्तिकरण, आजीविका और कुपोषण उन्मूलन पर विशेष फोकस

बिहान योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री निर्माण में महिला समूहों की भागीदारी बढ़ाने तथा दोनों जिलों में इस कार्य को प्रारंभ करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति, कुपोषित बच्चों की संख्या और सुपोषण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुपोषण उन्मूलन के लिए संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में 20 हजार 245 तथा बालोद जिले में 36 हजार 312 लखपति दीदी तैयार हो चुकी हैं। इसके अलावा औराटोला को लखपति ग्राम के रूप में विकसित किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : अरुण साव

विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने के निर्देश, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने सुकमा जिले में विकास कार्यों और विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कहा कि प्रभावी कार्यशैली, नई तकनीकों के उपयोग और नियमित फील्ड मॉनिटरिंग से ही जनसमस्याओं का त्वरित समाधान संभव है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान सड़क, पुल-पुलिया और भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली संभावित बाधाओं का पूर्व आकलन कर समय रहते उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में उप मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा पेयजल योजनाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन-संधारण पर विशेष जोर दिया।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा के दौरान साव ने वर्षा ऋतु से पहले नालियों और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई पूर्ण करने, पेयजल गुणवत्ता की नियमित जांच तथा स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल संरक्षण और शहरी निकायों में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता देने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय, जवाबदेही और टीम भावना के साथ कार्य करें तथा फील्ड में सक्रिय रहकर विकास कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। सुकमा के कलेक्टर अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

जंगल के बीच क्रिकेट का मैदान और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के हाथ में बैट

रायपुर। सुकमा के जंगलों के बीच मैदान में युवाओं को क्रिकेट खेलते देख उप मुख्यमंत्री अरुण साव खुद को रोक न सके। उन्होंने गाड़ी रुकवाई, खिलाड़ियों के बीच मैदान में पहुंचे और क्रीज पर जाकर बैट थाम लिया। टूर्नामेंट खेल रहे कुशल गेंदबाजों की गेंदों पर कुछ करारे शॉट भी लगाए। यह बदलते बस्तर की खुशनुमा तस्वीर है।

किरंदुल से सुकमा के रास्ते का यह मुनगा गांव था जहां साव ने मैदान में बल्ला भांजा। सुकमा जिले के ग्राम पंचायत कोर्रा का आश्रित गांव है यह। मैदान पर खेलने के लिए जुटे युवाओं से पता चला कि यहां 7 जून से क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा है जिसमें आसपास के गांवों की 16 टीमों ने भाग लिया है।

मुख्यमंत्री के हाथों मेधावी छात्रा को मिली 2 लाख रुपये की सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले की मेधावी छात्रा महेश्वरी कोर्राम को कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 96.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माध्यमिक शिक्षा मंडल की टॉप-10 सूची में दसवां स्थान हासिल करने पर राज्य शासन की ओर से विशेष प्रोत्साहन दिया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा को मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 01 लाख रुपये तथा दोपहिया वाहन (स्कूटी) अनुदान के लिए 01 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की।

श्रम पदाधिकारी ने बताया कि जिले के चारामा विकासखण्ड के ग्राम कानापोड़ निवासी छात्रा महेश्वरी कोर्राम की माता अनिता कोर्राम श्रमिक हैं तथा श्रम विभाग के अंतर्गत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक है।

इसी पात्रता के आधार पर श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत यह सहायता राशि स्वीकृत की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन बोर्ड के अध्यक्ष डा रामप्रताप सिंह श्रमायुक्त, हिमशिखर गुप्ता मंडल के सचिव गिरीश रामटेके तथा श्रम विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

माउंट एवरेस्ट फतह कर अमिता श्रीवास ने बढ़ाया जांजगीर-चांपा और प्रदेश का गौरव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले की प्रतिभाशाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफ्लतापूर्वक तिरंगा फहराकर जिले एवं प्रदेश का मान बढ़ाया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय रचा है।

एवरेस्ट अभियान से सफ्लतापूर्वक लौटने के बाद अमिता श्रीवास ने कलेक्टर जन्मेजय महोबे से सौजन्य भेंट कर अपने साहसिक अभियान के अनुभव साझा किए। इस अवसर पर कलेक्टर महोबे ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अमिता की उपलब्धि पूरे जिले और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचना

उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, समर्पण और साहस का परिचायक है।

कलेक्टर ने कहा कि अमिता श्रीवास की सफ्लता युवाओं, विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

उल्लास साक्षरता केंद्र का छठवां बैच शुरू, 90 पुनर्वासित युवा बनेंगे साक्षर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप के मार्गदर्शन में जिले में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पुनर्वास केंद्र बीजापुर में साक्षरता केंद्र के छठवें बैच का शुभारंभ किया गया। इस बैच में 90 असाक्षर पुनर्वासित युवाओं को बुनियादी साक्षरता और अंकज्ञान का प्रशिक्षण देकर साक्षर बनाया जाएगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुनर्वासित युवाओं को शिक्षा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सक्षम करना है। साक्षरता के माध्यम से युवाओं को न केवल पढ़ने-लिखने का ज्ञान मिलेगा, बल्कि वे दैनिक जीवन और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को भी बेहतर ढंग से संचालित कर सकेंगे। कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। हाल ही में कोण्डापल्ली में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात में एक पुनर्वासित दंपति ने बताया कि पुनर्वास केंद्र में

प्राप्त साक्षरता और अंकज्ञान ने उनके जीवन में नया बदलाव लाया है। शिक्षा के बल पर वे आज सफ्लतापूर्वक दुकान का संचालन कर अपनी आजीविका कमा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षार्थियों को उल्लास प्रवेशिका, मार्गदर्शिका, अभ्यास पुस्तिका, पेन सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। अध्ययन सामग्री प्राप्त कर पुनर्वासित युवाओं में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला। इस अवसर पर जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के जिला परियोजना अधिकारी कमलदास झाड़ी ने गोंडी बोली में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षार्थियों को नियमित अध्ययन और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पुनर्वासित युवाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। यह पहल उन्हें आत्मविश्वास, रोजगार के अवसर और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा सुशासनः वन मंत्री केदार कश्यप

समाज के हर परिवार को पक्का आवास, खाद्यान्न और बुनियादी सुविधाएं के लिए सरकार प्रतिबद्ध - राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए नारायणपुर जिले में विकास की नई इबारत लिखी गई है। जिले के ग्राम हलामी मुंजमेटा में आयोजित भव्य सुशासन तिहार एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप तथा राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस गरिमामयी अवसर पर मंत्रियों ने क्षेत्रवासियों को 6 करोड़ 70 लाख 78 हजार रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात देते हुए उनका लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

ग्रामीण अंचलों में कनेक्टिविटी और सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इसमें मुख्य रूप से पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग में माड़िन

नाला में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 4.85 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई, शामिल है। ?ग्राम बावड़ी व करलखा में पुलिया, नाली तथा सीसी सड़क निर्माण के लिए क्रमश: 4.19 लाख, 19.39 लाख और 16.36 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन हुआ। ?सुलेंगा (गुरिया व धौड़ई) में खाद्यान्न भंडारण कक्ष के लिए 13.76 लाख रुपए तथा बालक आश्रम में अतिरिक्त शयन कक्ष के लिए 19.87 लाख रुपए के निर्माण की मंजूरी दी गई। भाटपाल एवं नारायणपुर में पूर्व पुलिस कैंप भवन को 44.96 लाख रुपए की लागत से सर्वसुविधायुक्त आश्रम शाला के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, जिला पशु चिकित्सालय भवन हेतु 66.48 लाख रुपए की स्वीकृत किए गए, शामिल हैं। इस अवसर पर वन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नारायणपुर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जिससे सड़क और पुल-पुलिया जैसी आधारभूत संरचनाओं का कायाकल्प हो रहा है। और अधिकारियों को मानसून से पहले सभी स्कूल भवनों की मरम्मत पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जनहित में कई बड़ी घोषणाएं कीं, जिसमे हलामी मुंजमेटा में यात्री प्रतीक्षालय तथा मारकाबेड़ा में नया आंगनबाड़ी केंद्र,करमरी में खेल मैदान एवं एड़का में साहू समाज भवन का निर्माण,नाऊमुंजमेटा में सीसी सड़क-नाली, बाजार स्थल में शेड व हाईमास्ट लाइट, और फरसगांव-मसपुर मार्ग पर 3 किमी सड़क निर्माण शामिल है। मंत्री वर्मा ने बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि यहाँ की परंपराएं वैश्विक स्तर पर पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देंगी। इसके साथ ही उन्होंने मारकाबेड़ा में नई सीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा भी की।

छत्तीसगढ़ समृद्ध प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर

इसी तरह समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य वर्ष 2047 तक एक विकसित और समृद्ध प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गारंटी के तहत समाज के हर परिवार को पक्का आवास, खाद्यान्न और बुनियादी सुविधाएं देना हमारा मुख्य लक्ष्य है। प्रदेश में अब तक 26 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हो चुके हैं, जिसमें से अकेले हलामी मुंजमेटा क्लस्टर में 500 आवासों का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पायर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सिंगल से गुपचुप डबल हो गई नेहल!

नेहल ने गुपचुप शादी के फोटोज़ शेयर कर सनसनी मचा दी। 'बिग बॉस 19' की मशहूर कंटेस्टेंट नेहल चुडासमा ने अपने पार्टनर के साथ शादी की तस्वीरें शेयर करके अपने फैंस और फॉलोअर्स को चौंका दिया। पूर्व ब्यूटी क्वीन ने एक शादी का वीडियो भी पोस्ट किया। इन तस्वीरों ने तुरंत ही उनके कथित बॉयफ्रेंड अमीन घेशमती के साथ गुपचुप शादी की अटकलों को हवा दे दी। तस्वीरों में नेहल एक पारंपरिक लाल लहंगे में सजी-धजी दुल्हन के रूप में नजर आ रही हैं। वह अपने बॉयफ्रेंड का हाथ थामे हुए हैं और दिल को छू लेने वाले पल शेयर कर रही हैं, जो किसी परियों की शादी की याद दिलाते हैं। फोटो का कैप्शन है 'अभी भी इसे पचा पा रही हूँ।'

इस पोस्ट ने तुरंत सबका ध्यान खींचा और उनके फॉलोअर्स ने बधाई भरे मैसेजेस से कमेंट सेक्शन भर दिया। इतना ही नहीं, युविका चौधरी, भाव्या सिंह, नीलम गिरी और जैद दरबार जैसी कई जानी-मानी हस्तियों के बधाई देकर अटकलों को और हवा दी। उनके इमोशनल कैप्शन ने तुरंत सबका ध्यान खींचा और कई लोग यह अटकलें लगाने लगे कि क्या नेहल ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अनुमान लगाया कि ये तस्वीरें किसी शादी की नहीं बल्कि ब्राइडल फोटोशूट की हैं।

एक यूजर ने कमेंट किया- ओह माय गॉड, बधाई हो! दूसरे ने लिखा- मुझे पता है यह ऐड है, लेकिन ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप और अमीन की सगाई हो गई हो, हालांकि आप दोनों को जल्द से जल्द सगाई कर लेनी चाहिए। तीसरे यूजर ने कमेंट किया- नेहल और अमीन बधाई हो, आप दोनों ऐसे ही साथ रहो, किसी का नजर न लगे।

नेहल चुडासमा ने नहीं दी है जानकारी

जानकारी के लिए बता दें कि नेहल ने अभी तक तस्वीरों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इससे उनके फॉलोअर्स की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। नेहल चुडासमा और अमीन घेशमती अक्सर अपने करीबी रिश्ते की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। दोनों साथ में तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं और अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते नजर आते हैं। हालांकि, रिश्ते की अफवाहों के बावजूद, दोनों में से किसी ने भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। काम की बात करें तो, नेहल को आखिरी बार रियलिटी शो 'द 50' में देखा गया था।

तुम्हारी बेटी यह कॉस्ट्यूम पहने तो क्या तुम्हें अच्छा लगेगा?'

आशा पारेख ने बताया, 'मुझे याद है एक बार एक डायरेक्टर ने मुझे एक डांस नंबर के लिए रिवीलिंग कॉस्ट्यूम पहनने को कहा था। मैंने उनकी आंखों में आंखें डालकर पूछा कि अगर तुम्हारी बेटी यह कॉस्ट्यूम पहने तो क्या तुम्हें अच्छा लगेगा? फिर चुपचाप वह ड्रेस हटा दी गई।'

फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के किरदार को ऑब्जेक्टिफाई किए जाने और उत्तेजक कैमरा एंगल दिखाने पर जहां मेकर्स की खूब आलोचना हो रही है। फिल्म के कई सीन्स में जान्हवी के बार-बार क्लोज-अप शॉट्स दिखाए गए और ऑब्जेक्टिफाई किया गया, जिसकी हर तरफ खूब आलोचना हो रही है। इस बीच बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस आशा पारेश और जया बच्चन ने उस दौर को याद किया है जब ग्लैमर और कामुकता स्किन शो पर निर्भर नहीं थी। आशा पारेख ने बताया कि जब एक डायरेक्टर ने उन्हें एक फिल्म में रिवीलिंग ड्रेस पहनने को कहा, तो वह गुस्से से भड़क गई थीं और ऐसा सवाल किया था कि उसकी बोलती बंद हो गई थी और फिर रिवीलिंग ड्रेस पहनाने का फैसला बदलना पड़ा था। आशा पारेख के मुताबिक, उन्होंने डायरेक्टर से उसकी बेटी को लेकर एक बात कही थी, जो उसे हिट कर गई। वहीं जया बच्चन ने बताया कि कोई भी उनके साथ सीमा लांघने की कोशिश नहीं करता था।

'हीरोइनों को खुद को ऑब्जेक्टिफाई की जरूरत नहीं'

आशा पारेख ने आगे कहा, 'आजकल की हीरोइनें इतनी खूबसूरत हैं कि उन्हें खुद को ऑब्जेक्टिफाई करने की जरूरत नहीं है। देखिए संजय लीला भंसाली अपनी हीरोइनों को कितने खूबसूरत और कलात्मक तरीके से पेश करते हैं। उनकी फिल्मों में वो कितनी खूबसूरत लगती हैं। उन्हीं हीरोइनों का इस्तेमाल दूसरे डायरेक्टर अलग-अलग तरीके से, शोषणकारी ढंग से करते हैं।'

कभी आशा पारेख से भी हुई थी रिवीलिंग ड्रेस की डिमांड

दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं और वह पति रणवीर सिंह के साथ नए आशियाने में शिफ्ट होंगी। हाल ही प्रेगनेंट दीपिका पति रणवीर संग नए घर पहुंचीं और बालकनी में खड़ी नजर आईं। यहां दोनों आपस में बात कर रहे थे और दीपिका का बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा था। जहां रणवीर ने लाल रंग टी-शर्ट पहनी थी, वहीं दीपिका ने सफेद रंग का को-ऑर्ड सेट पहना था। नए घर में दीपिका और रणवीर की झलक देख फैंस एक्साइटेड हो गए।

नए घर की बालकनी से दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की तस्वीरें-वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि दीपिका और रणवीर अपने नए घर के इंटीरियर का जायजा लेने पहुंचे थे। वो जहां नए घर के बारे में बात कर रहे थे, वहीं फैंस की नजरें एक्ट्रेस के बेबी बंप पर थीं, जो तस्वीरों और वीडियो में साफ नजर आ रहा है।

अपना नया आशियाना देखने पहुंचे दीपिका रणबीर

दीपिका पादुकोण दूसरी बार मां बनने के बाद पति रणवीर सिंह के साथ नए घर में शिफ्ट होंगी। वह और रणवीर हाल ही नए घर को देखने पहुंचे और बालकनी में खिलखिलाते नजर आए। इस दौरान दीपिका का बेबी बंप भी नजर आया। दीपिका और रणवीर के इस नए आशियाने की कीमत 119 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं और वह पति रणवीर सिंह के साथ नए आशियाने में शिफ्ट होंगी। हाल ही प्रेगनेंट दीपिका पति रणवीर संग नए घर पहुंचीं और बालकनी में खड़ी नजर आईं। यहां दोनों आपस में बात कर रहे थे और दीपिका का बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा था।

कुएं में कूदकर मर जाना यार तुम शादी मत करना

किशोर कुमार हिंदी सिनेमा के वो दिग्गज गायक हैं, जिनके गानों ने न सिर्फ 50 और 60 के दशक के दर्शकों को दीवाना बनाया है, बल्कि आज की जनरेशन के बीच भी उनके गानों के लिए अलग क्रेज है। उन्होंने न सिर्फ सैड या रोमांटिक या 'चतुर नार' जैसे गाने गाए, बल्कि ऐसे गाने भी गाए जो माहौल बदल सकते हैं।

70 साल पहले रिलीज हुई एक फिल्म के लिए तो किशोर कुमार ने 21 से ज्यादा आवाजें निकाली थी, जो आज के समय में न सिर्फ एक कल्ट क्लासिक है, बल्कि यह एक ऐसा गाना है, जो 'दूल्हे' को एक चेतावनी है। अगर यह गाना शादी में बज गया, तो दूल्हे के होश उड़ना तय है।

जिस गाने का जिक्र हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह गाना साल 1956 में रिलीज हुई फिल्म 'परिवार' का है, जिसके लिए किशोर कुमार ने न सिर्फ गाने गाए, बल्कि इस फिल्म में अभिनय भी किया। इस फिल्म का एक गाना 'कुएं में कूद के मर जाना, यार तुम शादी मत करना' उस समय पर चार्टबस्टर हुआ था।

इस गाने में दिग्गज सिंगर ने 21 अलग-अलग बार अपनी आवाज बदली थी, जिसमें उन्होंने 'दूल्हों' और 'कुंवारों' दोनों को यह चेतावनी दी थी कि शादी करने के बाद क्या-क्या मुसीबतें उनके गले पड़ेंगी। इस गाने के एक-एक लिरिक्स ने लोगों का दिल छुआ था। गाने में किशोर कुमार ने ही लड़की की भी आवाज निकाली थी, बच्चों की भी और बूढ़े की भी।

खास बात ये है कि किशोर कुमार के 'कुएं में कूद के मर जाना...यार तुम शादी मत करना' गाने ने उस समय पर लोगों पर खास प्रभाव छोड़ा था। जब यह गाना आया, उसके बाद दशक तक, दोस्तों की शादियों में अक्सर दूल्हे को चिढ़ाने के लिए इस गाने इस्तेमाल होने लगा। गाने में शादी के बाद मर्दों की 'दुर्दशा' को लिरिक्स में बड़ी ही खूबसूरती के साथ किशोर कुमार ने पिरोया है।

70 साल पहले आए इस गाने को उस समय पर ट्रेंड सेटर के रूप में देखा जाता था, क्योंकि 'परिवार' में किशोर कुमार ने बतौर एक्टर भी काम किया था, इसलिए उनकी कॉमिक छवि के दर्शक इस कदर कायल हो गए थे कि उनके स्टाइल को कॉपी करने लगे थे। अगर 'दूल्हा किनने बनाया' बजा-बजाकर दोस्त का मजाक उड़ाकर आप बोर हो गए हैं, तो इस गाने को बजाकर उसे जरूर छेड़ सकते हैं।

आज भी कायम है सेब का जादू, सेहत का सच्चा दोस्त

बचपन से ही हम सब सुनते आ रहे हैं 'ऐन एप्पल अ डे, कीप्स द डाक्टर अवे'। अर्थात यदि हम रोज एक सेब खाते हैं तो हमें डाक्टर की जरूरत नहीं पड़ती। ये बात सही भी है। पर सवाल यह है कि सेब को कब खाया जाए और कैसे खाया जाए। और जबकि सेब छत्तीसगढ़ में भी उगने लगे हैं और इसके दाम भी काफी नियंत्रित हैं तो फिर देर कैसी?

रोजाना सेब का सेवन करने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं। सुबह सेब खाने से शरीर में सारे दिन एनर्जी बनी रहती है। इसका सेवन लोग अलग-अलग समय पर करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सेब को अगर सुबह खाली पेट खाया जाए, तो इसके क्या-क्या फायदे होंगे? सुबह खाली पेट सेब खाना आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह एक सेब खाने से आपके शरीर को क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

1. पाचन तंत्र के लिए

सेब में भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जिसे पेक्टिन कहते हैं। जब आप सुबह खाली पेट सेब खाते हैं, तो यह फाइबर आपके पेट को साफ करने में मदद करता है। इससे कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है।

2. वजन कंट्रोल करने में मददगार

अगर आप बढ़ते वजन या मोटापे से परेशान हैं, तो सुबह खाली पेट सेब खाना शुरू कर दें। सेब में कैलोरी की मात्रा बहुत कम और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसे खाने के बाद काफी देर तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं और वजन आसानी से कम होता है।

3. दिल की सेहत के लिए

सेब में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। खाली पेट सेब खाने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, जिससे दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

4. खून की कमी होती है दूर

शरीर में आयरन की कमी के कारण एनीमिया की बीमारी होती है, जिससे कमजोरी और थकान बनी रहती है। सेब में आयरन की अच्छी मात्रा होती है। रोजाना सुबह इसका सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और खून की कमी दूर होती है।

5. इम्यून बूस्टर

सेब में विटामिन सी, विटामिन ए और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। सुबह खाली पेट सेब खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, जिससे आप बदलते मौसम में होने वाले सर्दी-खांसी और वायरल इन्फेक्शन से बचे रहते हैं।

ओट्स-शहद दोनों जंगली पर आप को रखे खिलीखिली

ओट्स एक ऐसा सुपरफूड है जो सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। यह वजन कम करने से लेकर पाचन को बेहतर करने के लिए जाना जाता है। वहीं, आयुर्वेद में भी शहद का इस्तेमाल औषधि की तरह सदियों से किया जा रहा है। लेकिन जब इन दोनों को आपस में मिलाकर इनका सेवन किया जाता है तो सेहत को और भी कई बेहतरीन फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं ओट्स को शहद में भिगोकर खाने से क्या होता है मिलते हैं कौन से फायदे?

ओट्स फाइबर से भरपूर होता है जो भूख को कंट्रोल करता है और आपके मेटाबॉल्जिम को भी बूस्ट करता है। वहीं, शहद में नेचुरल मिठास होती है जो मीठे की क्रेविंग को पूरा करता है। यानी ये दोनों मिलकर आपके खाने की इच्छा को कम करते हैं जो वजन कम करने में आपके लिए बेहद कारगर है।

दरअसल, ओट्स में मौजूद घुलनशील फाइबर पाचन को बेहतर करते हैं और शहद आपके ओवरऑल डाइजेस्टिव सिस्टम को सपोर्ट करता है।

ओट्स को शहद में भिगोकर आप इसका इस्तेमाल स्किन के निखार के लिए भी कर सकते हैं। शहद से जहां आपकी स्किन में नमी बनाए रखता है वहीं, ओट्स डेड स्किन का सफाया करता है।

कैसे करें सेवन?

रात को एक बाउल में आधा ओट्स लें और उसमें अपनी पसंद के अनुसार एक कप दूध या एक कप दही में भिगोएं। अब इसमें स्वाद अनुसार शहद और चिया सीड्स डालें। अब इस रातभर फ्रिज में रहने दें। सुबह उठकर इसमें आप ड्राइफ्रूट्स, या फ्रूट डालकर खाली पेट सेवन करें।

खास खबर

सुपेबेड़ा क्षेत्र को जल्द मिलेगी घर-घर स्वच्छ पेयजल की सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में गरियाबंद जिले के देवभोग विकासखंड के दूरस्थ एवं विशेष पिछड़े क्षेत्र सुपेबेड़ा तथा आसपास के गांवों के लिए बहुप्रतीक्षित जल प्रदाय योजना तेजी से पूरी की जा रही है। सुपेबेड़ा जल प्रदाय योजना के लिए 10 करोड़ 34 लाख 32 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को 5 जुलाई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 30 जून से योजना की टेस्टिंग शुरू होने की संभावना है। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने पर सुपेबेड़ा, सागुनबाड़ी, मोटरापारा, निष्ठीगुड़ा, सेंधमुड़ा, खोकसरा, खम्हारगुड़ा, परवापाली और ठिरलीगुड़ा सहित कुल 9 गांवों के 2 हजार 074 परिवारों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत सेंधमुड़ा घाट क्षेत्र में तेल नदी पर इंटेकवेल का निर्माण किया जा रहा है। सुपेबेड़ा में 75 हजार लीटर क्षमता का उच्च स्तरीय जलागार बनकर तैयार हो चुका है, जबकि जल शोधन संयंत्र का कार्य अंतिम चरण में है।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व का अनूठा अभियानः 'एक पेड़ माँ के नाम' से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व द्वारा बीजापुर जिले के ग्राम नैमेड़ में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत भव्य वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, जैव विविधता का संवर्धन करना तथा स्थानीय समुदायों को प्रकृति की सुरक्षा से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न देशी प्रजातियों के पौधे लगाए गए और उपस्थित जनसमुदाय ने इनकी सुरक्षा व नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, अवैध वन्यजीव व्यापार की रोकथाम तथा जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। वनाधिकारियों ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षारोपण और वन संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वन, वन्यजीव और स्थानीय समुदाय एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए इनके संरक्षण में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

समय पर उर्वरक, मजबूत खेती : किसान बिझवार सिंह पटेल ने सराही शासन की व्यवस्था

रायपुर। शासन की किसान हितैषी नीतियों और मजबूत वितरण प्रणाली के परिणामस्वरूप किसानों को सहकारी समितियों और केंद्रों से डीएपी, यूरिया और एनपीके जैसे उर्वरक सुगमता और समय पर प्राप्त हो रहे हैं। कृषि कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा भारी सब्सिडी प्रदान की जाती है। उर्वरकों की समय पर उपलब्धता से किसानों की बुवाई समय पर हो रही है और कृषि कार्य में भारी सहूलियत मिल रही है। राज्य शासन की किसान हितैषी नीतियों और कृषि विभाग की सतत निगरानी के चलते खरीफ सीजन में किसानों को आवश्यक उर्वरकों की समयबद्ध एवं सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने 7.19 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

स्वच्छता, पेयजल, सड़क, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाएं बढ़ाने प्रमुखता से किये जा रहे काम - अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के तीसरे दिन किरंदुल में 7 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 4 करोड़ 14 लाख 85 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण और 3 करोड़ 4 लाख 9 हजार रुपये के कार्यों के भूमिपूजन शामिल हैं। श्री साव ने आक्सीजोन में बस्तर के टाइगर ब्याय चेंदरू की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने किरंदुल में जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से 3 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक की लागत से विकसित ऑक्सीजोन पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत खरीदी गई बैक हो लोडर मशीन, सक्शन मशीन सह मेला टैंकर, ट्रैक्टर इंजन एवं पानी टैंकर को नगर पालिका को सौंपा। उन्होंने कहा कि इन संसाधनों से नगर की स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने ऑक्सीजोन पार्क की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक पार्क नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और मनोरंजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

श्री साव ने किरंदुल में नाला निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण तथा अधोसंरचना मद से विभिन्न वार्डों में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर की आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में बस पार्किंग एवं स्टेज-स्टैंड के पास सीसी रोड तथा विद्युत व्यवस्था के लिए 1 करोड़ 58 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने सीसी रोड के लिए 27 लाख रुपये की भी घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका की मांग पर 3 करोड़ 72 लाख रुपये के प्रस्तावित विकास कार्यों को स्वीकृत करने के साथ ही नए कार्यों के लिए अलग से दो करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री ने मलंगीर जलप्रपात से किरंदुल और बचेली में पेयजल आपूर्ति की योजना की संभावनाओं पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं का परीक्षण कर स्थायी व प्रभावी पेयजल व्यवस्था विकसित करने की कार्ययोजना बनाई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में किरंदुल नगर पालिका में 16 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए गए हैं। राज्य सरकार नगरों के सुनियोजित विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान के अनुरूप कार्य कर रही है। स्वच्छता, पेयजल, सड़क, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने लगातार काम किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है।

इसी उद्देश्य से वे लगातार बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में सड़क, पेयजल एवं शहरी अधोसंरचना के विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने किरंदुल की प्राकृतिक सुंदरता की तारीफ करते हुए कहा कि बैलाडीला पर्वतमालाओं की गोद में बसा किरंदुल प्राकृतिक दृष्टि से प्रदेश के सबसे सुंदर नगरों में से एक है। चारों ओर हरियाली, पर्वतीय सौंदर्य और स्वच्छ वातावरण इस नगर को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए किरंदुल को एक आदर्श एवं आधुनिक नगर के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार कार्य कर रही है।

अंबिकापुर में शुरू हुआ 'सियान गुड़ी' डे-केयर सेंटर

योग, स्वास्थ्य जांच, पुस्तकालय, मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता की मिलेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्ण, सुरक्षित एवं आनंदमय वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में सरगुजा जिले में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा स्थापित 'सियान गुड़ी' (वरिष्ठ नागरिक डे-केयर सेंटर) का शुभारंभ सोमवार को वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने समाज कल्याण एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुखद जीवन को ध्यान में रखते हुए सियान गुड़ी की स्थापना की गई है, जहां उन्हें आवश्यक सुविधाओं के साथ आत्मीय और सकारात्मक वातावरण मिलेगा।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्त जीवनशैली के कारण कई बार बुजुर्ग स्वयं को अकेला महसूस करते हैं। ऐसे में सियान गुड़ी उनके लिए सामाजिक जुड़ाव, स्वास्थ्य संरक्षण और मनोरंजन का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र में योग एवं प्राणायाम, फिजियोथेरेपी, प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, पुस्तकालय, पारिवारिक परामर्श, सांस्कृतिक गतिविधियां, इंडोर गेम्स, स्वल्पाहार और भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। 25 सीटर क्षमता वाले इस डे-केयर सेंटर का संचालन सप्ताह में छह दिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधियों ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ कैरम और लूडो खेलकर आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर बुजुर्गों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा व्हीलचेयर और छड़ी का वितरण भी किया गया। यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मनेंद्रगढ़ रोड में स्थापित इस केंद्र का संचालन समाज कल्याण विभाग के सहयोग से अनामिका वेलफेयर सोसायटी, अंबिकापुर द्वारा किया जाएगा। 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक यहां दिनभर स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का लाभ उठा सकेंगे।

प्राकृतिक खेती और मिलेट्स को मिलेगा बढ़ावा देने दंतेवाड़ा जिले में खेत बचाओ अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में खेत बचाओ अभियान प्रारंभ छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने, मिट्टी की सेहत सुधारने और लोगों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए प्राकृतिक खेती और मिलेट्स (मोटे अनाजों) की खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। यह मिट्टी की उर्वरता को लंबे समय तक बनाए रखती है, पानी बचाती है और उपभोक्ता को जहरीले-मुक्त रसायन वाले खाद्य उत्पाद देती है।

इसमें बाहर से महंगी खाद या कीटनाशक खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे किसानों की खेती की लागत काफी कम हो जाती है और मुनाफा बढ़ता है। कृषि भूमि की उर्वरता को संरक्षित करने, किसानों की लागत कम करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दंतेवाड़ा जिले में खेत बचाओ अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा तैयार इस रणनीतिक कार्ययोजना का उद्देश्य मिट्टी के स्वास्थ्य का पुनर्जीवन, जल संरक्षण, पारंपरिक बीजों का संरक्षण तथा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करना है। खेत बचाओ अभियान दंतेवाड़ा को प्राकृतिक कृषि, जैव विविधता संरक्षण और किसान समृद्धि की नई पहचान देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, समृद्ध आदिवासी परंपराओं और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए तैयार इस अभियान को दंतेवाड़ा के चारों विकासखंडों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

हाथियों के संरक्षण की दिशा में छत्तीसगढ़ की बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार वन्यजीव संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में रायगढ़ में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों से आए 78 वन अधिकारियों एवं पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य हाथियों की मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक जांच, वन्यजीव अपराधों की पहचान तथा संरक्षण संबंधी प्रयासों को मजबूत बनाना था।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में लगभग 450 हाथी विचरण कर रहे हैं। रायगढ़, जशपुर, कोरबा और सूरजपुर जैसे जिलों में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि हाथियों की मृत्यु के वास्तविक कारणों की सटीक जानकारी मिलने से भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम और वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि जंगल में मृत पाया गया हाथी केवल एक वन्यजीव मृत्यु का मामला नहीं, बल्कि संभावित अपराध स्थल भी हो सकता है। इसलिए घटनास्थल की सुरक्षा, साक्ष्य संग्रहण, विषप्रयोग, शिकार अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

विशेषज्ञों ने वन अधिकारियों और पशु चिकित्सकों को हाथियों की शारीरिक संरचना, स्वास्थ्य प्रबंधन तथा मृत्यु जांच की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया। प्रशिक्षण में जैविक नमूनों के संग्रहण, संरक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण के लिए सुरक्षित तरीके अपनाने की जानकारी भी दी गई। वन्यजीव अपराधों, विशेषकर हाथीदांत तस्करी से जुड़े मामलों में कानूनी साक्ष्य तैयार करने तथा न्यायालयीन प्रक्रिया के लिए आवश्यक दस्तावेजों और प्रमाणों के संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों को मैदानी स्तर पर शव परीक्षण, रक्त एवं ऊतक नमूना संग्रहण, रोग एवं विष विज्ञान जांच तथा दुर्गम क्षेत्रों में सुरक्षित तरीके से जांच कार्य करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री विद्यार्थी उत्कर्ष योजना : कक्षा 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा का अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थियों के लिए उत्कर्ष योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं में प्रवेश की राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण अंचलों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदेश के प्रतिष्ठित एवं उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में अध्ययन का अवसर देना है। चयनित छात्र-छात्राओं को कक्षा 6वीं से 12वीं तक की शिक्षा पूर्णतः निःशुल्क मिलेगी, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अनुसार, योजना में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय लिखित चयन परीक्षा 05 जुलाई 2026 (रविवार) को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को एक गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

आवेदक का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। छात्र वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत हो तथा कक्षा 4वीं की वार्षिक परीक्षा में न्यूनतम 80 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया हो। अभिभावक की सभी स्रोतों से कुल वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके लिए वैध आय प्रमाण पत्र और स्वघोषणा पत्र आवश्यक है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए है। इसलिए केवल ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और नगर पंचायत क्षेत्र के स्कूलों से कक्षा 4वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी ही इसके पात्र होंगे। आवेदकों को अपने मूल निवास जिले में ही आवेदन करना होगा। 20 जून 2026 (शाम 5 बजे तक) तक पात्र विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र अपने विद्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि।

22 जून 2026 तक विद्यालय प्रमुखों द्वारा आवेदनों की जांच कर उन्हें संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भेजना। 24 जून 2026 तक विकासखंड स्तर से संकलित सूची सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय को प्रेषित करना।

खेत बचाओ अभियान का भव्य आयोजन

सुकमा । कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा में विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर मासिक कार्यशाला सह खेत बचाओ अभियान की तैयारी हेतु एक दिवसीय विशेष बैठक का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एच. एस. तोमर द्वारा किया गया। कार्यशाला में कृषि विभाग के उप संचालक पी. आर. बघेल सहित विभिन्न संबद्ध विभागों के अधिकारी, मैदानी कार्यकर्ता, कृषि मित्र, कृषि सखी और प्रगतिशील किसानों सहित लगभग 65 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना रहा।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ढाई वर्ष के दौरान निगम क्षेत्र में 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत

उद्योग मंत्री ने किया सड़क डामरीकरण कार्य का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर कोरबा के दर्री जोनांतर्गत वार्ड 54 में 40 लाख रूपये की लागत से किये जाने वाले सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन व शुभारंभ किया। उन्होने कार्य का शुभारंभ करते हुये पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करने एवं शीघ्र कार्य को पूरा किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लगातार किये जा रहे विकास कार्यो की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 54 में कुमगरी मुख्य चौक से पण्डाल होते हुये प्राथमिक शाला कुमगरी तक 40 लाख रूपये से सड़क डामरीकरण का कार्य किया जाना हैं। आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने उक्त महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन किया, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण व नारियल तोड़कर का कार्य शुभारंभ कराया। इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, वार्ड पार्षद मुकुंद सिंह कंवर, फिरतराम साहू, चन्द्रलोक सिंह, किशन केंवट आदि सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उद्योग मंत्री देवांगन ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आशीर्वाद से विगत ढाई वर्ष के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मदों के अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिसमें अनेकों कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, अनेक प्रगति पर हैं तथा शेष कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रहे हैं।

उन्होने वार्ड क्र. 54 में विकास कार्यो का उल्लेख करते हुये कहा कि इस वार्ड में 93 लाख रूपये के विकास कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, वहीं साढ़े 03 करोड़ रूपये के विकास कार्य प्रगति पर हैं। उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि निगम क्षेत्र में 15 करोड़ रूपये के सड़क डामरीकरण कार्य कराये जाने हैं, जैसे-जैसे डामर की उपलब्धता होती जायेगी, यह कार्य संपादित होंगे।

उन्होने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास हो रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य की विभिन्न योजनाओं से प्रदेश व देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होने कहा कि 15 वर्षों तक डॉ. रमन सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, उन्होने राज्य का ऐतिहासिक विकास किया तथा विकास पुरूष की छबि अर्जित की।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सीएएफ कैंप में जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, मौके पर मौत

कोण्डागांव। जिले के उरंदाबेड़ा क्षेत्र स्थित सीएएफ कैंप में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ड्यूटी पर तैनात एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे कैंप में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान जवान जोगेंद्र नेताम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जोगेंद्र नेताम फरसगांव क्षेत्र के उरंदाबेड़ा थाना अंतर्गत स्थित सीएएफ कैंप में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्हें गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही उरंदाबेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आत्मघाती कदम उठाने की आशंका नजर आ रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि घटना के कारणों को लेकर अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एसपी पंकज चंद्रा ने उरंदाबेड़ा थाना प्रभारी को मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं।

पशु तस्करी पर बड़ी कार्रवाई 7 आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़। केसीजी जिले के गंडई थाना क्षेत्र में पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राम बिरखा स्थित घटियारी मंदिर के पास एक पिकअप वाहन में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर महाराष्ट्र की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर गंडई पुलिस ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। पहले मामले में पुलिस ने पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 09 जेसी 2599 को रोककर तलाशी ली। वाहन में 5 बैल और 1 पांडा सहित कुल 6 मवेशी अमानवीय तरीके से बंधे हुए पाए गए। पुलिस ने मवेशियों और वाहन को जब्त कर दयाराम पटेल (34), तोरन बाहेश्वर (40) और अश्वन पंचेश्वर (40) को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 08 वी 6379 से 2 बैल और 2 पांडा सहित 4 मवेशी बरामद किए। इस मामले में महेन्द्र पटेल (27), कमलेश पटेल (23), पाण्डव पटेल (28) और रोहित पंचतिलक (36) को गिरफ्तार किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 10 मवेशियों को सुरक्षित कर उनके परिवहन में इस्तेमाल दो पिकअप वाहनों को जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफछत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम तथा मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दादा की हत्या कर फरार पोता 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

बलरामपुर। घरेलू विवाद के दौरान अपने ही दादा की धारदार हथियार से हत्या कर फरार हुए आरोपी पोते को चांदो पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। आरोपी को राजपुर क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ा गया और न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार थाना चांदो में दर्ज अपराध क्रमांक 21/2026 के तहत आरोपी अरुण केरकेटा (20 वर्ष), निवासी नवाडीह, थाना चांदो के विरुद्ध धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में मृतक की पत्नी मुनिया केरकेटा (64 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 7 जून को उनका नाती अरुण केरकेटा घर आया था। इसी दौरान उनके पति भुवनेश्वर केरकेटा (65 वर्ष) ने अरुण को नहाने, कपड़े धोने और कोई कामकाज नहीं करने को लेकर समझाइश दी। इस बात से नाराज होकर अरुण ने घर में रखे बसूला से भुवनेश्वर केरकेटा के सिर और गले पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी अरुण केरकेटा, पिता प्रेम केरकेट उम्र 20 वर्ष निवासी नवाडीह, थाना चांदो, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज ।

मंकी रिजॉर्ट के पीछे चल रहा था लाखों का जुआ, 15 जुआरी पकड़ाए, 4 लाख से ज्यादा की संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र में जुआरियों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी मंकी रिजॉर्ट के पीछे जुआ का फड़ लगाए बैठे थे। मुखबिर की सटिक सूचना पर रेड की गई। इनके के कब्जे से नगदी राशि, ताश पत्ती, मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन जब्त किया गया। प्रकरण में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 एवं 4 के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई।

दरअसल पुलगांव पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मंकी रिजॉर्ट गोकुलधाम के पीछे कुछ व्यक्ति अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान 15 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से नगदी राशि, ताश पत्ती, मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन जब्त किए गए।

पकड़े गए जुआरियों के विरुद्ध धारा 3, 4 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। मौके से पुलिस ने नगदी रकम 1,82,000 रुपए, 52 पत्ती ताश, 12 मोटरसाइकिल, अनुमानित कीमत 1,80,000 रुपए, 17 न विभिन्न कंपनी के टच स्क्रीन मोबाइल, अनुमानित कीमत 68,000 रुपए तथा 2 कीपैड मोबाइल, अनुमानित कीमत 4,000 रुपए कुल मशरुका 4 लाख 34 हजार रुपए जब्त किया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना पुलगांव पुलिस की टीम का सराहनीय योगदान रहा। रेड कार्यवाही में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा त्वरित सूचना संकलन, घेराबंदी एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों से दूर रहें तथा ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

पकड़े गए जुआरी

सोनू चौहान, उम्र 35 वर्ष, निवासी डिपरापारा, दुर्ग, फिरोज खोखर, उम्र 40 वर्ष, निवासी कसारीडीह, दुर्ग, शब्बीर खान, उम्र 40 वर्ष, निवासी तकियापारा, दुर्ग, मोहम्मद जावेद, उम्र 43 वर्ष, निवासी तकियापारा, दुर्ग, मोहम्मद जुनैद, उम्र 36 वर्ष, निवासी तमेरपारा, दुर्ग, पारस चंद्राकर, उम्र 43 वर्ष, निवासी विवेकानंद नगर, बोरसी, दुर्ग, अजीम अहमद, उम्र 42 वर्ष, निवासी तकियापारा, दुर्ग, मोहम्मद जमील, उम्र 35 वर्ष, निवासी गंजपारा, दुर्ग, एकांत साहू, उम्र 32 वर्ष, निवासी केलाबाड़ी, दुर्ग, जमील खान, उम्र 42 वर्ष, निवासी केलाबाड़ी, दुर्ग, शिवा साहू, उम्र 26 वर्ष, निवासी कसारीडीह, दुर्ग, मृत्युंजय चंद्राकर, उम्र 35 वर्ष, निवासी कसारीडीह, दुर्ग, साहिद, उम्र 33 वर्ष, निवासी लुचकीपारा, दुर्ग, चंद्रपाल यादव, उम्र 26 वर्ष, निवासी कसारीडीह, दुर्ग, प्रकाश देवांगन, उम्र 44 वर्ष, निवासी केलाबाड़ी, दुर्ग।

10 लाख की हेरोइन के साथ महिला गिरफ्तार, पुलिस ने की रेड कार्रवाई, कैश और मोबाइल भी जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में हेरोइन (चिट्टा) की बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 10 लाख रुपए की हेरोइन, कैश और मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान हाउसिंग बोर्ड भिलाई निवासी राजविंदर कौर के रूप में हुई है।

मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 8 जून को सूचना मिली थी कि एक महिला हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र स्थित निर्माणाधीन बीएनएस स्कूल के पास अवैध रूप से हेरोइन रखकर

उसकी बिक्री कर रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की।

महिला आरक्षक की मौजूदगी में ली गई तलाशी

पुलिस ने बताए गए स्थान पर संदिग्ध महिला की पहचान की। महिला आरक्षक की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान उसके पास से 49.8 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। इसके अलावा नशीले पदार्थ की बिक्री से मिले 1,000 रुपए नकद और एक कीपैड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

बरामद हेरोइन की कीमत 10 लाख रुपए

पुलिस के अनुसार जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 9 लाख 96 हजार रुपए है। मोबाइल फोन और नकदी सहित कुल जब्त सामग्री की कीमत लगभग 9 लाख 97 हजार 300 रुपए आंकी गई है।

गिरफ्तार महिला की पहचान राजविंदर कौर (25) निवासी एलआईजी-312, हाउसिंग बोर्ड, भिलाई, थाना जामुल, जिला दुर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार इससे पहले पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में करीब 6 ग्राम चिट्टा बरामदगी के मामले में रज्जो कौर नामक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

तेज रफ्तार पर ट्रैफिक पुलिस की पैनी नजर, पांच माह में 14,372 वाहन चालकों को भेजी नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस बिलासपुर ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर रखा है। अत्याधुनिक स्पीड डिटेक्टर कैमरों, एएनपीआर तकनीक और इंटरसेप्टर वाहनों की मदद से जिलेभर में निगरानी की जा रही है। जनवरी से मई 2026 तक यातायात पुलिस ने 14,372 प्रकरण दर्ज कर संबंधित वाहन चालकों को नोटिस जारी की है।

पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस विशेष रूप से उन उल्लंघनों पर फोकस कर रही है, जो गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। यातायात पुलिस के अनुसार, जिले में इंटरसेप्टर, स्पीड राडार गन और स्पीडोमीटर के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों की गति की निगरानी की जा रही है। वहीं शहर के भीतर आईटीएमएस (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) से जुड़े 550 से अधिक अत्याधुनिक कैमरे चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों पर नजर रख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शहर का लगभग पूरा क्षेत्र एएनपीआर कैमरों की निगरानी में है।

इन कैमरों के जरिए तय गति सीमा से अधिक रफ्तार, खतरनाक स्टंट, रील बनाते हुए वाहन चलाने, जोखिमपूर्ण ड्राइविंग और अन्य गंभीर यातायात उल्लंघनों की पहचान कर ऑनलाइन चालान और नोटिस भेजी जा रही हैं। आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई 2026 के बीच तेज गति से वाहन चलाने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 112/183 के तहत 4,809 प्रकरण दर्ज किए गए।

वहीं जल्दबाजी एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के मामलों में धारा 184 के तहत 9,567 प्रकरण बनाए गए। इस प्रकार कुल 14,372 मामलों में कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों को नोटिस जारी की गई है। यातायात पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़क सुरक्षा को खतरे में डालने वाले वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण के लिए परिवहन विभाग को प्रतिवेदन भेजे जा रहे हैं। साथ ही स्टंटबाजी और रील बनाने के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के मामलों को न्यायालय भेजकर कड़ी कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है।

उर्वरक के अवैध भंडारण पर बड़ी कार्रवाई सक्ती जिले में 3.87 टन यूरिया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। जिले के किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कृषि विभाग की टीम ने ग्राम केसला में कार्रवाई करते हुए 3.87 टन (86 बोरी) यूरिया उर्वरक जब्त कर उसके विक्रय पर तत्काल रोक लगा दी।

प्राप्त शिकायत के आधार पर जिला एवं विकासखंड स्तरीय निगरानी दल ने विकासखंड सक्ती के ग्राम केसला में एक निजी भवन का निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां बड़ी मात्रा में उर्वरक भंडारित पाया गया। पड़ताल में यह उर्वरक मेसर्स मयंक ट्रेडर्स की प्रोपराइटर उमा राठौर द्वारा भंडारित कराया जाना पाया गया। कार्रवाई के समय फर्म प्रतिनिधि की मौजूदगी में उर्वरक जब्त कर उसे सुपुर्दगी में रखा गया।

कृषि विभाग के अनुसार जिले में उर्वरकों की

कालाबाजारी और अनियमित भंडारण रोकने के लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक अब तक सक्ती, डभरा और जैजैपुर विकासखंडों में ऐसे सात मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। कृषि विभाग ने किसानों से भी अपील की है कि यदि कहीं उर्वरकों की कालाबाजारी, अधिक मूल्य वसूली या अवैध भंडारण की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम कृषि कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बस्तर में 25.66 लाख का गांजा पकड़ाया, 2 तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने करीब 25 लाख 66 हजार 750 रुपए के गांजा के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 51 किलो 335 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। 2 अलग-अलग जगह पर पुलिस ने कार्रवाई की है। एक के घर पर रेड मारकर गांजा पकड़ा गया है, जबकि दूसरा युवक बस का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।

मामला भानपुरी और नगरनार थाना क्षेत्र का है। दरअसल, भानपुरी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम केशरपाल आवासपारा में एक व्यक्ति अपने घर में बड़ी मात्रा में गांजा रखकर उसकी बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी हर्ष कुमार धुरंधर की टीम ने रविवार को आरोपी के घर पहुंचकर घेराबंदी की।

पुलिस ने युवक से पूछताछ के बाद उसके घर की तलाशी ली। इस दौरान कमरे में रखे एक नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम के अंदर से

करीब 33.25 किलो गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की कीमत 16 लाख 62 हजार 500 रुपए है। पकड़े गए आरोपी की पहचान किशोर बघेल (36) के रूप में हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ओडिशा से रायपुर ले जा रहा था गांजा

दूसरी कार्रवाई नगरनार थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि धनपुंजी फॉरेस्ट नाका के पास एक युवक दो बैग में गांजा लेकर जगदलपुर जाने वाली बस का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संतोष सिंह की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल पांडेय (28) निवासी मंगला चौक बिलासपुर बताया। पुलिस ने उसके कब्जे में रखे दो बैग की तलाशी ली। बैग के भीतर तीन पैकेटों में भरा 18 किलो गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 9 लाख 4 हजार 250 रुपए बताई गई है।

आरोपी गांजा ओडिशा से बिलासपुर ले जा रहा था। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जिसे भी कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर होने वाली गांजा तस्करी और जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत दोनों कार्रवाई की गई हैं। पुलिस का कहना है कि आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

4.50 करोड़ के धान गबन मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिले के बसना थाना क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र पिरदा में हुए करीब 4.50 करोड़ रुपये के गबन मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तत्कालीन खरीदी केंद्र प्रभारी और सेल्समैन शामिल हैं। दोनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पिरदा के धान उपार्जन केंद्र में वर्ष 2020-21 के दौरान धान खरीदी में भारी अनियमितता और

स्टॉक में गड़बड़ी की शिकायत सामने आई थी। जांच में 17,210.72 क्विंटल धान की हेराफेरी कर शासन को लगभग 4.50 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का मामला उजागर हुआ।

इस संबंध में 27 मार्च 2024 को राजेश कुमार सिदार की शिकायत पर बसना थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 409 और 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका था, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी थी।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और विवेचना के आधार पर 8 जून 2026 को दो मुख्य फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें कन्हाई सेठ (59 वर्ष) निवासी रोहिना, महासमुंद, जो तत्कालीन व्यवस्थापक एवं खरीदी केंद्र प्रभारी था, तथा राजकुमार पटेल (42 वर्ष) निवासी बरेकेल, महासमुंद, जो तत्कालीन सेल्समैन के रूप में कार्यरत था, शामिल हैं।

पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने धान गबन मामले में अपनी भूमिका स्वीकार की है। जांच के दौरान मिले दस्तावेजों और रिकॉर्ड में भी उनकी संलिप्तता की पुष्टि हुई है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और अन्य संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आर्थिक अपराधों और शासकीय योजनाओं में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

// कार्यालय, सेनानी, 3री वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, अमलेश्वर जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

दूरभाष एवं वॉट्सअप नं.-94791-71200 ई-मेल नं.-co3rdbn@gmail.com

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

निविदा क्रमांक-3री बटा./छसबल/दुर्ग/सा.अ./I-616-A/256 , दिनांक 05/06/2026

अश्वों के पानी पीने के लिए वाटर टैंक मय शेड निर्माण कार्य कराये जाने हेतु सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्म से निम्नानुसार मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम/स्थान	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र कीमत	कार्यपूर्ण अवधि	श्रेणी
01	अश्वों के पानी पीने के लिये वाटर टैंक मय शेड निर्माण कार्य।	7,30,000	22,000/-	750/-	01 माह	वर्ग डी एवं अधिक

01. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19/06/2026 के समय 13.00 बजे तक
02. फर्म द्वारा प्रस्तुत निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- 25/06/2026 के 13.00 बजे तक
03. निविदा खोलने की तिथि :- 25/06/2026 के 15.00 बजे

नोट:- निविदा प्रपत्र कोषालय में संबंधित निविदा कर्ता द्वारा बैंक से "8443-सिविल जमा राशियॉ 103 प्रतिभूति जमा" चालान राशि रुपये 750/- जमा किया जाकर चालान की मूल प्रति संबंधित कार्यालय में जमा करने पर निविदा प्रपत्र एवं क्रय की नियम व शर्तें तथा अन्य जानकारियां कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

सेनानी
3री बटालियन छ.स.बल
अमलेश्वर जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-262701279/3

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 07 जून की रात्रि प्रार्थिया द्वारा थाना सिरगिट्टी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसका पति मनीष गोस्वामी अपनी फल दुकान के पास खड़ा था। उसी दौरान आरोपी दुर्गेश साहू उर्फ गोलू सर्किट वहां पहुंचा और पीछे से पकड़कर हत्या करने की नीयत से अपने पास रखे धारदार चाकू से हमला कर फरार हो गया। घटना में घायल को गंभीर चोटें आने पर थाना सिरगिट्टी में अपराध क्रमांक 409/2026 धारा 103, 115(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी दुर्गेश साहू उर्फ गोलू सर्किट को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग धारदार चाकू जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।

खुशियों का नोटिफिकेशन

प्रधानमंत्री आवास योजना

छत्तीसगढ़ के जरूरतमंद पात्र परिवारों को मिल रहा

अपना पक्का घर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

RO-47590/42

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950